भाद्रपद कृष्ण पक्ष-14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 71 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

01 सितम्बर 2024 रविवार

आज का मौसम

30 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद संघ की बैठक भाजपा की सियासत के लिए अहम

संघ पर भाजपा की नजरें, अध्यक्ष व 5 राज्यों का चुनावी फार्मूला निकलेगा

नई दिल्ली/पलक्कड, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली बड़ी बैठक पर भाजपा की भी नजरें हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद भाजपा में नए अध्यक्ष की नियुक्ति की राह आसान हो सकती है, वहीं पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए फार्मूला' भी मिल सकता है। यह बैठक कल तक चलेगी। पलक्कड़ की इस बैठक में अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ से जुड़े 32 संगठनों के करीब 320 प्रतिनिधि शामिल हैं। खबरों के मुताबिक इसमें नए भाजपा अध्यक्ष के नामों पर परोक्ष या अपरोक्ष चर्चा के पूरे आसार हैं। वहीं हरियाणा, कश्मीर, झारखंड,महाराष्ट्र व दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिये भी संघ के इस चिंतन के बाद भाजपा को मूलमंत्र मिलेगा। इनमें अधिकांश राज्यों में भाजपा सहज स्थिति में नहीं है। सूत्रों का कहना है कि हाल के लोकसभा चुनाव के नतीजों और भाजपा की सीटें घटने की वजह पर चर्चा हो रही है। वहीं महिला सुरक्षा और पश्चिम बंगाल में रेप-मर्डर केस समेत, संघ के

सहयोगी संगठनों के साथ तालमेल, झारखंड-छत्तीसगढ़ और आदिवासी इलाकों में बढ़ रहे धर्मांतरण के मामलों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही हाल में हुई राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घटनाओं और योजनाओं को लेकर भी चर्चा होगी।

मूर्ति का बवाल:महाराष्ट्र में सड़कों पर विपक्ष

इधर आज महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी ने सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के विरोध में मुंबई में प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक मार्च निकाला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार सुप्रीमो शरद पवार, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे नेता उद्धव ठाकरे, कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले और पार्टी की मुंबई इकाई की प्रमुख वर्षा गायकवाड़ ने 'संयुक्त महाराष्ट्र' आंदोलन में शहीद हुए लोगों की याद में बने हुतात्मा चौक पर पुष्पांजलि अर्पित कर विरोध मार्च की शुरुआत की। ठाकरे ने कहा- मोदी की माफी अंहकार से भरी हुई है। वहीं, शरद पवार ने कहा- शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरना भ्रष्टाचार का उदाहरण है। मार्च में हिस्सा लेने वालों में कोल्हापुर से कांग्रेस सांसद शाहू छत्रपति, राकांपा (एसपी) नेता एवं बारामती की सांसद सुप्रिया सुले और विधायक अनिल देशमुख शामिल हैं। वहीं, भाजपा मामले में हो रही राजनीति को लेकर बड़ा

प्रदर्शन कर रही है। इसे लेकर शहर में बड़ी संख्या में पुलिस और अन्य सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में हाल में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी माफी मांगी थी।

बदलाव का दिन

सिलेंडर 39 रुपए महंगा, विमानों का फ्यूल हुआ सस्ता!

नई दिल्ली , एजेंसी।

आज से आम आदमी की जिंदगी में रोजमर्रा के कामों के नियमों में बदलाव फिर हुए हैं। उल्लेखनीय है कि हर महीने की पहली तारीख को इस तरह के बदलावों का रिवाज बन गया है। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रुपए तक महंगा हो गया है। जबकि रसोई गैस की कीमतों में बदलाव नहीं है। वहीं टेलीकॉम रेगुलेशन में आज से बदलाव हुए हैं जिससे फर्जी कॉल और मैसेज रुक सकते हैं। एविएशन फ्यूल के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता हो सकता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों को 4,567 रुपए प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक घटा दिया है। वहीं राजस्थान में 450 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दस साल से ज्यादा पुराने आधार कार्ड के मुफ्त अपडेट की समय सीमा 14 सितंबर तक बढ़ा दी है।

रूक सकते हैं फर्जी कॉल और मैसेज

आज से टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने फ्रॉड कॉल और एसएमएस स्कैम से जुड़ी साइबर क्रिमिनल एक्टिविटी को रोकने के लिए दूरसंचार नियमों में बदलाव लागू किया है। ट्राई ने जियो, एयरटेल जैसी टेलीकॉम कंपनियों को दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमें उन्हें 30 सितंबर, 2024 तक टेलीमार्केटिंग कॉल और बिजनेस मैसेजिंग, विशेष रूप से 140 मोबाइल नंबर सीरीज से शुरू होने वाली कॉल को ब्लॉकचेन-आधारित डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट करने का निर्देश दिया था।

राजस्थान में 450 रुपए का सिलेंडर

राजस्थान में नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट से जुड़े परिवारों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर आज से मिलेगा। राज्य सरकार ने बजट में बीपीएल और उज्जवला कनेक्शन के साथ इन परिवारों को भी 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने की घोषणा की थी। करीब 68 लाख परिवारों को फायदा होगा।

नमाज ब्रेक बंद करने के बाद एनडीए सहयोगियों के सवालों से घिरे हिमंता

गुवाहाटी, एजेंसी।

असम विधानसभा में जुमे की नमाज के दो घंटे के ब्रेक को खत्म करने के फैसले को लेकर असम सीएम हिमंता सरमा विपक्षियों के निशाने पर हैं। एनडीए की सहयोगी पार्टियों जेडीयू और लोजपा ने असम सीएम के फैसले की आलोचना की है। हालांकि असम सीएम ने अपने फैसले का बचाव किया है। मगर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा है कि असम

विस का फैसला संविधान के मानकों के खिलाफ है। उन्होंने सीएम से सवाल किया कि क्या वह असम के कामाख्या मंदिर में बलि प्रथा को बंद कर सकते हैं। किसी को भी धार्मिक प्रथाओं पर हमला करने का अधिकार नहीं है। लोजपा अध्यक्ष राजू तिवारी ने भी असम सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कथित तौर पर तर्क दिया कि धार्मिक अभ्यास की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए।

जबलपुर से 71 यात्री लेकर उड़े विमान की आपात लैंडिंग

जबलपुर, एजेंसी।

आज जबलपुर से हैदराबाद जा रही फ्लाइट की नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराना पड़ी। नागपुर एयरपोर्ट पर बम और डॉग स्क्वायड सहित सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी पहुंचे हैं सीआईएसएफ के अलावा महाराष्ट्र पुलिस भी मौजूद है। आशंका जताई जा रही है कि आपत्तिजनक सामान रखे होने की सूचना पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पर भी अधिकारी पहुंचे हैं। बताया जाता है कि सुबह 8 बजे इंडिगो की फ्लाइट ने 71 पैसेंजर्स को लेकर जबलपुर से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी थी। इसे 9.40 पर हैदराबाद में उतरना था। लेकिन 9.10 पर नागपुर एयरपोर्ट पर इसे लैंड कराया गया। डुमना एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से कहा गया है कि नागपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट

की जांच की जा रही है। हम उनसे संपर्क में हैं। इंडिगो मैनेजर हिना खान ने कहा, 'विमान की लैंडिंग क्यों हुई, यह साफ नहीं है। हालांकि, कैप्टन के पास पर्याप्त वजह होगी, जिस वजह से ऐसा किया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।'

जेडीयू को झटका, केसी त्यागी ने पद छोड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी।

बिहार में सत्तारूढजनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष और सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखकर कहा, 'मैं दूसरे कामों में व्यस्त रहने के कारण प्रवक्ता पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहा हूं। इसलिए आप मुझे इस जिम्मेदारी से मुक्त करिए। मैं समय-समय पर आपके और बिहार सरकार की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए उपलब्ध रहूंगा।' महासचिव आफाक अहमद खान ने त्यागी के इस्तीफे के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को नया प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस नेता ने पत्नी व बच्चों समेत जहर खाया, 4 की मौत

बिलासपुर, एजेंसी।

जांजगीर के कांग्रेस नेता पंचराम यादव ने अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना का कारण पता लगाने के प्रयास हो रहे हैं। इस घटना में सबसे पहले यादव के बेटे नीरज (28) की सिम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि तीन लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। उपचार के दौरान हालांत गंभीर होते चले गए सुबह तक खुद यादव (65), उनकी पत्नी व एक और बेटे की मौत हो गई। जहर खाने से पहले घर के सामने दरवाजे पर ताला लगाकर यादव पिछले दरवाजे से

वापस अंदर गया था। सबने मोबाइल बंद कर लिये थे। पड़ोस की एक लड़की को लगातार ताला बंद देखा शक हुआ था। उसने शाम सात बजे आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। जब पड़ोसी और उसके स्वजन घर अंदर गए तो सभी गंभीर अवस्था में पड़े थे।

बांग्लादेश : हिंदुओं से लिखाए जा रहे दो शब्द के इस्तीफे

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश में सत्तापरिवर्तन के बाद अल्पसंख्यक हिंदुओं की परेशानियों का अंत नहीं हो रहा है। हमलों और अत्याचारों का सामना करने के बाद, अब हिंदुओं को सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देने पर मजबूर किये जाने की खबरें हैं। अब तक लगभग 50 हिंदू शिक्षाविदों को इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया है। यह खुलासा बांग्लादेश छात्र एक्य परिषद, जो कि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एक्य परिषद का छात्र संगठन है। उसने प्रेस कान्फ्रेंस में यह दावा किया। सरकारी बकरगंज कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रॉय ने की इस्तीफा

देते हुए फोटो भी सामने आई है. उनसे सादे कागज पर 'मैं इस्तीफा देती हूं, लिखवाकर इस्तीफा ले लिया गया।

मप्र व राजस्थान पर लैंडस्लाइड का खतरा, सितंबर में 9% ज्यादा बारिश

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में सितंबर में भी तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने बाढ़ और लैंडस्लाइड की भी संभावना जता दी है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, गुंटूर में उफनती नहर में 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई।राज्य में भारी बारिश के चलते कई स्टेशन और ट्रैक पानी में डूब गए। साउथ सेंट्रल रेलवे की 6 ट्रेनें कैंसिल और 9 ट्रेनें डायवर्ट की गईं। गुजरात के वडोदरा में बाढ़ का पानी अब कम हो रहा है। यहां दो दिन में 24 मगरमच्छ रिहाइशी इलाकों में पहुंचे।

मप्र में अलर्ट : आज मप्र समेत समेत 12 राज्यों में बारिश का अलर्ट है। सितंबर में भी सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि इस महीने 9 प्रतिशत ज्यादा बारिश का अनुमान है। सितंबर में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।महापात्र ने कहा, इन क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा से बाढ़ आ सकती है। इसके अलावा लैंडस्लाइड को लेकर भी अलर्ट रहना होगा।

जमकर भीगने लगा मप्र, भोपाल में धूप

कल शाम से मप्र के कज्विई जिलों में पानी गिर रहा है। आज रविवार को भोपाल में धूप खिली हुई है। वहीं सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम और बैतूल में भारी बारिश का अलर्ट है। , प्रदेश के पश्चिमी हिस्से के 21 जिलों में तेज बारिश होने के आसार हैं। गुना में सुबह 11 बजे से आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। अगले 2 दिन प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम बारिश कराएगा। जबलपुर समेत दूसरे जिलों में भी आज गरज-चमक की स्थिति और हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार देर रात भी जबलपुर में पानी गिरा।

139 इंजीनियरिंग कॉलेजों की सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया भोपाल के कॉलेजों में लगभग 25 हजार सीटें

56 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए दूसरे राउंड के तहत 3 को सीटों का आवंटन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 139 इंजीनियरिंग कॉलेजों की सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया जारी है।तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा कालेजों में खाली पड़ी 56 हजार सीटों पर प्रवेश देने के लिए दूसरे राउंड के तहत सीटों का आवंटन किया जाएगा। विभाग यह आवंटन 3 सितंबर को करेगा। जिसके बाद विद्यार्थी छह सितंबर तक आवंटित कालेज में पहुंचकर प्रवेश ले पाएंगे। विद्यार्थियों को प्रवेश के दौरान अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराने के बाद प्रवेश लेना होगा। भोपाल के इंजीनियरिंग कॉलेजों में लगभग 25 हजार सीटें हैं। इमर्जिंग एरिया की ब्रांच की बात करें, तो भोपाल में करीब छह हजार सीटों पर दाखिला दिया जाएगा, लेकिन प्रथम राउंड में विभाग को उक्त सीटों पर ज्यादा प्रवेश नहीं मिल पाए हैं

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तकनीकी विभाग करीब 21 हजार 500 विद्यार्थियों की तीन लाख 51 हजार च्वाइस फिलिंग में से मेरिट के आधार पर अलॉटमेंट जारी किया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा करीब 12 हजार सीटें सीएस की हैं, जिसमें प्रवेश लेने के लिए विभाग को करीब 81 हजार च्वाइस फिलिंग मिली है। इसी तरह मैकेनिकल की आठ हजार सीटें पर प्रवेश लेने के लिए करीब 30 हजार च्वाइस फिलिंग दर्ज की गई हैं। इसमें विभाग को करीब 18 हजार 300 प्रवेश मिले हैं।

दूसरे राउंड में आईटी पहली पसंद

द्वितीय राउंड की काउंसलिंग में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों ने सबसे ज्यादा च्वाइस फिलिंग की है। वे अपना भविष्य कम्प्यूटर जगत में बनाना चाहते हैं। इसलिए विद्यार्थियों ने आईटी को पसंद किया है। इसके इतर, बेसिक ब्रांच में मैकेनिकल भी विद्यार्थियों की पसंद है। कालेज संचालकों ने भी सीएस के बाद मैकेनिकल ब्रांच में सीटों की बढ़ोतरी की है।

इकोफ्रेंडली गणेश बनाए छात्राओं ने...

भोपाल। रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में गत दिवस को इकोफ्रेंडली गणेश जी बनाने की एक अनूठी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भोपाल के माटी कला विशेषज्ञ लखन प्रजापति द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

बीयू के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए लगाया शिविर, की स्वास्थ्य जांच

ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का हुआ समापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का समापन शुक्रवार को हुआ। यह समारोह पिछले तीन दिनों से विश्वविद्यालय परिसर में चल रहा था। इस अवसर पर, नव प्रवेशित छात्रों के लिए रेड क्रॉस अस्पताल द्वारा एक मेडिकल कैंप आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सलाह प्रदान की गई। सत्र के अगले चरण में डॉ.जया फुकन महिला अध्यन विभाग ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम (2013) के महत्व और इसके प्रभावी

कार्यान्वयन पर चर्चा की है। डॉ. नितिश डैनियल कानून विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर ने सूचना का अधिकार अधिनियम (2005) की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया, साथ साइबर सुरक्षा और बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व को रेखांकित किया, प्रोफेसर भूपेंदर सिंह आचार्य मनोवैज्ञानिक विभाग और डॉ. रचना दवे ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और इसके प्रभावी प्रबंधन पर जोर दिया, जिससे समाज में जागरूकता और सहायता प्राप्त करने में मदद मिली।

पुलिस का काम सज़ा या माफ़ करने का नहीं: अनुराधा शंकर

'सुपरचार्ज योर डेस्टिनी' पर विशेष चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लेखिका स्वाति तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक ''सुपरचार्ज योर डेस्टिनी'' पर एक विशेष चर्चा एवं विमोचन के दौरान रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और गांधीवादी विचारक अनुराधा शंकर ने कहा कि ÷पुलिस का काम किसी को सज़ा देने या माफ़ करने का नहीं है। यह काम न्यायालय का है। यह सब व्यवस्था का अंग है।÷ उन्होंने कहा कि व्यक्तिवाद के इस दौर में सहयोगवाद ही समाज को सही रास्ता दिखा सकता है। प्रतियोगिता के भाव ने समाज का नुक़सान किया है। यह आयोजन क्लब लिटरेटी के तत्वाधान में विवेकानंद पुस्तकालय में हुआ। कार्यक्रम में लेखक स्वाति तिवारी ने किताब की उन 40 अव्यक्त शक्तियां - जिन्हें 'सुपर पावर' कहा जाता है - को खोजने की विधि एवं उनको अपने जीवन में उपयोग करने पर प्रकाश डाला। बीएसएस कॉलेज के प्रो विनय मिश्रा ने कहा की यह पुस्तक कई मायनों में अच्छा इंसान बनने में मदद करती है। हमे महत्वपूर्ण बातों के निर्धारण के पहले यह तय करना चाहिए कि क्या अमहत्वपूर्ण है। यह पुस्तक कई तरह से एक थेरेपी का भी काम करती है। कार्यक्रम की सूत्रधार ममता तिवारी ने कहा कि इस तरह की किताबें उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी हैं जो निरंतर अपने भीतर झांककर अपने व्यक्तित्व में सुधार करना चाहते हैं। क्लब लिटरेटी की प्रमुख डॉ सीमा रायजादा ने इस अवसर पर संस्था के 12 वर्ष पूरे होने की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बुंदेली समागम कार्यक्रम में दिया भरोसा

बुंदेलखंड को समृद्ध बनाएगी सरकार

बुंदेली भाषा की मिठास की बात ही अलग

मुख्यमंत्री का कहना था कि बुंदेली भाषा की मिठास की बात ही अलग है। बुंदेली सांस्कृतिक परम्पराओं की सुरभि देश-विदेश को महका रही है। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और बुंदेलखंड एवं महाकौशल अंचल में शौर्य की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती ने अनेक युद्ध लड़े और जीते। सीमित संसाधनों में उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। राष्ट्र के लिये वे अपने प्राणों का बलिदान देकर अमर हो गईं। महाराजा छत्रसाल सहित बुंदेलखंड के अन्य योद्धा भी हर युग में पराक्रम के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत करते रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की गौरवशाली विरासत है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश का कोई भी क्षेत्र हो, सरकार उसे तेज विकास के पथ से जोड़ने का काम कर रही है। बुंदेलखंड को भी हर दृष्टि से समृद्ध बनाया जाएगा। केन बेतवा लिंक परियोजना और 27 सितंबर को सागर में प्रस्तावित रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शनिवार को बुंदेली समागम में कही। यह आयोजन जनजातीय संग्रहालय में किया था। इस मौके पर उन्होंने बुंदेली समागम-2024 की प्रतिभाओं को सम्मान भी किया।

कार्यक्रम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, भोपाल महापौर मालती राय, नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व मंत्री मुकेश नायक, नेहा बग्गा, अन्य जनप्रतिनिधि और मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी, सिंह, पंचायत वेब सीरिज की अभिनेत्री पूजा सिंह (रिंकी) एवं अन्य कलाकार उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अभिनेता मुकेश तिवारी ने बॉलीवुड संवाद, सुमित ओरछा ने बुंदेली महिमा संवाद और बुंदेलखंड के आंचलिक लोक गायक चंद्रभान वासुदेव ने गायन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने चंद्रभान वासुदेव को बुंदेली गीत की शानदार प्रस्तुति के लिए 31 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

खेल तनाव को करता है खत्म: पारवानी

संत कॉलेज में खेल दिवस पर प्रतियोगिताएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में बड़े जोश के साथ नेशनल स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को खेलकूद के प्रति जागृत किया गया और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि खेल सबसे बड़ा तनाव दूर करने वाला और मानसिक और शारीरिक विश्राम का प्रमुख साधन है। उन्होंने आगे कहा कि सक्रिय जीवनशैली बनाए रखने से समग्र व्यक्तित्व विकास प्राप्त किया जा सकता है।उन्होंने छात्राओं को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें ज्योति पोकला राव, म्यूजिकल चेयर रेस, कशिश गुरनानी, बैडमिंटन, दिव्या रैकवार, कैरम एवं प्रियांशी शर्मा, चैस में विजयी रही। विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

मेट्रो एंकर

संस्कार प्रथम, सिंधु द्वितीय और मिठी स्कूल रहा तृतीय

भारत विकास परिषद द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित संत नगर के सभी विद्यालयों के छात्र छात्राओं के समूहों ने राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें प्रथम दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल, द्वितीय सिंधु माध्यमिक शाला नवयुवक सभा, तृतीय गोबिंदराम पब्लिक स्कूल बच्चों ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में नवनिध स्कूल, क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल, के टी शाहानी स्कूल, साधु वासवानी स्कूल, मुकिता इंटरनेशनल स्कूल, ए टी शाहानी स्कूल, भोपाल गर्ल्स स्कूल पंचवटी ने भी भाग लिया।

मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा वादा किया कि संतनगर में खेल सुविधाओं को और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने भारत विकास परिषद द्वारा इस प्रकार के आयोजनों की प्रशंसा की। शिक्षाविद् विष्णु गेहाणी ने कहा कि हमारा इतना बड़ा देश होने के बाद भी हम ओलंपिक में बहुत कुछ नहीं कर पाते हैं, हमें सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहिए। अध्यक्षीय भाषण में डा. जी टी खेमचंदानी द्वारा भारत विकास परिषद के द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों को प्रतियोगिता में आने के पूर्व कुछ बारीकियों पर ध्यान देना आवश्यक है जिससे उनकी प्रस्तुतियां और अधिक प्रभावी हो सकती हैं। प्रांत के उपाध्यक्ष कमल प्रेमचंदानी द्वारा भारत विकास परिषद की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत विकास प्रतिवर्ष भारत को जानो प्रतियोगिता भी आयोजित करती हैं जिसमें संत नगर के लगभग 500 विद्यार्थी भाग लेते हैं। निर्णायक गण में लक्ष्मी नारायण ओसले, नारी लच्छवानी, दिलीप बेहरे थे। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन भारत का परिषद के सदस्य विमल भंडारी ने किया। आभार संत नगर शाखा सचिव सुरेंद्र मोतियानी द्वारा दिया गया। प्रथम स्थान प्राप्त दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का समूह प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में राम बंसल, मेनिस मैथ्यू, बसंत चेलानी, कमल वीधानी,सुरेश राजपाल, पुरुषोत्तम टिलवानी, सुरेश पारवानी, नानक लेखवानी, अशोक वासवानी, संजय प्रेमचंदानी, मुकेश ग्वालानी, ठाकुर लालवानी एवं भारत विकास परिषद के सर्वश्री सुरेंद्र मोतियानी, गुलाब जेठानी, राकेश हरपालनी, दिनेश वाधवानी, महेश दयारामानी, दयाल डेटानी, धर्म प्रकाश मोटवानी, सुन्दर किशनानी, आनंद सबधानी, कीर्ति तोलानी, डॉ सुरेश मोटवानी, भोजराज आसूदानी,बी डी भारवानी, महेश बजाज, प्रकाश रंगवानी, गोविंद मीरचांदनी आदि उपस्थित रहे।

छोटी-बड़ी खबरें

बीएससी होम साइंस की पूरक परीक्षा 5 सितंबर से

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) ने पूरक परीक्षाओं का टाइम-टेबल जारी कर दिया है। इसके तहत बीएससी होम साइंस की पूरक परीक्षा 5 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर तक चलेगी, वहीं बीबीए, बीए, बीकॉम और बीएसएसी थर्ड ईयर की पूरक परीक्षा भी 5 सितंबर से शुरू होकर 27 सितंबर तक चलेंगी। रजिल्ट में देरी होने की वजह से अगली कक्षाओं में छात्रों को प्रमोट करने में कॉलेजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी सेकंड, थर्ड और फोर्थ ईयर व पीजी थर्ड सेमेस्टर में प्रवेश के लिए 30 अगस्त तक का समय दिया है।

बीयू का दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को होगा आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) का दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को होगा। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में पास आउट होने वाले विद्यार्थियों को डिग्री एवं मेडल दिए जाएंगे। इस बार भी विश्वविद्यालय का 80 फीसदी गोल्ड छात्राओं में नाम रहा। दीक्षांत समारोह के लिए अभी तक 78 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। यह प्रक्रिया अभी जारी है।

4 स्थानीय अवकाश घोषित

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राज्य शासन ने स्थानीय अवकाश के तहत मंगलवार, 17 सितबर 2024 को अनंत चतुर्दशी को भोपाल जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। इसी प्रकार शुक्रवार 11 अक्टूबर को दशहरा और शुक्रवार 1 नवंबर को दीपावली का दूसरा दिन के लिए जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। भोपाल गैस त्रासदी स्मृति दिवस मंगलवार, 03 दिसबर 2024 को केवल भोपाल शहर के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

मैनिट में वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला हुई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मैनिट के केन्द्रीय पुस्तकालय में वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को स्प्रिंगर नेचर ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया और इसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में केन्द्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ. जेएल भगोरिया ने शोधकर्ताओं को शोध पत्रों की संरचना, थीसिस लेखन और प्रकाशन मानकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इन चुनौतियों को पार करने के लिए मेंटरशिप, प्रकाशन नैतिकता, और भाषा कौशल में सुधार पर जोर दिया, ताकि प्रभावी वैज्ञानिक संचार सुनिश्चित किया जा सके। स्प्रिंगर नेचर की अल्पना सगवाल ने बताया कि वैश्विक स्वीकृति दर लगभग 12.5 प्रतिशत है।

सीपीए को दो साल बाद फिर चालू करने का मामला

सीपीए का पुनर्गठन: मोहन सरकार ने शिवराज का चौथा फैसला पलटा

खस्ताहाल सड़कें बनीं दोबारा चालू करने का आधार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ढाई साल से बंद पड़ी राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) इकाई को पुर्नगठित गठित कर चालू करने घोषणा कर मोहन सरकार ने शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली तत्कालीन भाजपा सरकार का चौथा फैसला पलट दिया है। उक्त इकाई को शिवराज सिंह चौहान की तत्कालीन सरकार ने 3 मार्च 2022 को बंद करने के आदेश जारी किए थे। तब कहा गया था कि सीपीए अपनी सड़कों का ठीक से संधारण नहीं कर रहा है। कई तरह के भ्रष्टाचार है जिसका विपरीत असर शहर पर पड़ रहा है। अब मोहन सरकार में का दावा है कि सीपीए शहर को सुंदर स्वरूप देने में मददगार साबित होगी क्योंकि यह इकाई 1960 के पहले से भोपाल को समझ रही है, यहां उसने कई काम किए हैं वह आगे भी बेहतर काम कर सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली प्रवास से लौटने के बाद यह घोषणा की

तब यह बताई थी वजह: तब सीपीए को बंद करने के पीछे की वजह खस्ताहाल सड़कों को समय पर ठीक नहीं करने व भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों को बताया गया था। अब चालू करने की वजह उन्हीं खस्ताहाल सड़कों को तेजी से ठीक करने और राजधानी को अद्योसंरचनात्मक दृष्टि से सुंदर बनाने को बताया गया है। हालांकि तब से लेकर अब तक यह भी चर्चा है कि ने सीएस कार्यालय से एक वरिष्ठ अधिकारी की सीपीए में पदस्थ एक अधिकारी से निजी खुन्नस थी। जिसके चलते उन्होंने सीपीए को बंद करने कहानी रची और अपने पावर का इस्तेमाल कर का पर ताले डलवा दिए थे। सूत्रों के मुताबिक मोहन सरकार के संज्ञान में यह बात आ चुकी थी। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने दिल्ली प्रवास के दौरान सीपीए को चालू करने को लेकर केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर भेंट के दौरान अपनी बात रखी और केंद्रीय मंत्रालय से आर्थिक और तकनीकी सहायता मांगी, जिस पर केंद्रीय मंत्री राजी हो गए और हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सीपीए को पुर्नगठित करने की घोषणा कर दी।

सीएम ने सदस्यता पर्व में विधायक व जिलाध्यक्ष से पूछीं पार्टी की पंच निष्ठा

भाजपा के भीतर कामकाज के हस्तांतरण की सहज व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा ने राजधानी में सदस्यता अभियान शुरू कर दिया है। अब बड़े नेता बूथों पर जाकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रहे हैं। इसी कडी में जब मुख्यमंत्री मोहन यादव सीएम हाउस व आसपास क्षेत्र के बूथ क्रमांक 111 पहुंचे तो कार्यकर्ताओं से बात करते समय पार्टी की पंच निष्ठाओं के बारे में पूछा। हालांकि मंच पर मौजूद प्रदेश महामंत्री व इसी क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी और जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी इन निष्ठाओं को गिनाने में अटक गये। बार-बार पूछने पर भी दोनों ने दो ही दो निष्ठाएं गिनाई इनमें पहली थी राष्ट्रीयता, समरसता और दूसरी भारतीयता, बाद में सीएम ने पांचों निष्ठा बताकर कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सदस्यता अभियान में जुटें। सीएम ने सबसे महत्वपूर्ण निष्ठा-'लोकतंत्र की भावना पर विश्वास' को बताया।

दरअसल, भाषण देते समय सीएम ने पार्टी की पंच निष्ठाओं को लेकर कहा कि इनमें सर्वाधिक महत्व की कौन सी निष्ठा है। वैसे तो सभी निष्ठाएं अहम हैं। सीएम ने कहा, सबसे अहम है लोकतंत्र की भावना में विश्वास। यानि भाजपा कहती नहीं, करके भी दिखाती है। देश में कोई ऐसी पार्टी नहीं जो अपने चुनाव से पहले सदस्यता का कार्यक्रम घोषित करे। सात ही पारदर्शी तरीके से नीचे तक काम भी करे। मुख्यमंत्री ने फिर पूछा, देश में कितने राजनीतिक दल हैं? जवाब नहीं मिला तो वे फिर बोले, 1500 पंजीकृत दल हैं। दुनिया की तो बात ही नहीं कर रहे। इसलिए सभी लोग जुट जाओ।

यादव ने कहा कि किसी ने मुझसे पूछा था कि भाजपा और विरोधी दल की लीडरशिप में क्या अंतर है? मैंने उन्हें बताया कि हमारे विरोधी दल में आज भी पहली या दूसरी पीढ़ी के नेता कामकाज देख रहे हैं और 80 से ऊपर की उम्र में भी नेता बने हुए हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी में नए और युवा कार्यकर्ता को ज्यादा महत्व दिया जाता है। युवाओं को अधिक से अधिक जिम्मेदारी दी जाती है। हमारे यहां पार्टी के नेतृत्व और कामकाज को बड़ी सहजता के साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरण की व्यवस्था है।

भाजपा की पंच निष्ठाएं

1. राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकात्मता
2. लोकतंत्र की भावना पर विश्वास
3. सामाजिक-आर्थिक विषय पर गांधीवादी दृष्टीकोण, जिससे शोषण मुक्त एवं समता युक्त समाज की स्थापना हो सके
4. सकारात्मकता पंथनिरपेक्षता अर्थात सर्वधर्म समभाव
5. मूल्यों पर आधारित राजनीति। आप समाधि बनाकर आगे निकल जाते हो और दूसरे लोग इसका फायदा उठाते हैं समय के साथ परंपराएं बदलें

केंद्रीय संस्कृत विवि तैयार कर रहा सॉफ्टवेयर, आने वाले शिक्षा सत्र से करेंगे लागू

सेल्फ लर्निंग सॉफ्टवेयर के जरिए डिजिटल प्लेटफार्म से जुड़ेगी संस्कृत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देवनागरी संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इसे डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ने की कवायद की जा रही है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्याल द्वारा इसके लिए सेल्फ लर्निंग सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। संस्कृत के पाठ्यक्रम के जरिए न इसे शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाया जाएगा, बल्कि आम लोग भी ऑनलाइन से संस्कृत सीख सकेंगे। यह सॉफ्टवेयर छात्रों की शिक्षा के लिए लिहाज से चार स्तर पर तैयार किया जा रहा है। इसमें श्रवण, पाठन, भाषण और लेखन है। इसके दौरान सुनना, पढ़ना, बोलना और लिखना सभी स्तर पर यह रहेगा, जो विद्यार्थियों के साथ लोगों के लिए भी लाभकारी रहेगी। आगामी साल में आने वाले पाठ्यक्रम को इस सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा, जिससे छात्र पाठ्यक्रम को भी आसानी से डिजिटल स्वरूप में सीख सकेंगे। साथ ही कविताएं, कहानियां सहित संस्कृत से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी इस सॉफ्टवेयर में रहेगी।

स्कूलों में होंगे खेल मैदान, सीसीटीवी कैमरों सहित बायोमेट्रिक मशीन व रोटी मेकर, मंत्री ने दिए निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में गैस राहत संचालनालय के सभा कक्ष में मप्र स्पेशल और रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी भोपाल की संचालक मंडल की बैठक हुई। इसमें प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ. ई. रमेश कुमार, अपर आयुक्त जनजातीय कार्य सीमा सहित एमपी सरस सोसायटी के संचालक मंडल के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री डॉ. शाह ने निर्देश दिए कि जनजातीय कार्य विभाग के सभी स्कूलों में बच्चों की खेल अभिरूचियों के विकास के लिये खेल मैदान अनिवार्य रूप से हों। भविष्य में सभी स्कूल खेल मैदान के साथ ही मंजूर करायें। एकलव्य विद्यालयों के खेल मैदानों को आवश्यकतानुसार और बेहतर बनाया जायें। एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सीएम राईज स्कूल में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को 40 प्रतिशत तक की दिव्यांगता होने पर उन्हें फ्री मोटोराईज्ड साईकिल उपलब्ध कराने का प्रयास करें। यह कार्य अधिक से अधिक संख्या में किया जायें। जनजातीय वर्ग के अधिकाधिक विद्यार्थियों को आकांक्षा योजना का लाभ दिलायें। दक्षणा कोचिंग के तहत अधिक से अधिक युवाओं को दक्ष बनाये। उन्होंने कहा सभी एकलव्य विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर, आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सीएम राईज स्कूलों में सीसीटीव्ही कैमरे लगायें जायें, जिससे वहां चल रही गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सकें।

एकलव्य विद्यालयों में अब नर्स भी रखी जाएं: मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि सीसीटीव्ही कैमरों के अलावा जनजातीय कार्य विभाग के सभी स्कूलों में बायोमेट्रिक मशीन और रोटी मेकर भी स्थापित किये जायें। एकलव्य विद्यालयों में अब नर्स भी रखी जायें। यह नर्स कन्या शिक्षा परिसरों का भी समय-समय पर निरीक्षण करेगी और बालिकाओं से चर्चा कर उनकी स्वास्थ्यगत परेशानियों के बारे में जानकर काउंसलिंग भी करेगी। उन्होंने एकलव्य स्कूल परिसरों किचन गार्डन भी विकसित करने के निर्देश दिए। इससे वहां पढ़ रहें बच्चों को पोषक सब्जियों के उत्पादन की शिक्षा के साथ ही बागवानी में भी रूचि जागृत होगी।

'आप समाधि बनाकर निकल जाते हो दूसरे इसका फायदा उठाते हैं'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आप तो अपने परिवार के सदस्यों के निधन पर समाधि बनाकर अंतिम संस्कार करते हैं और आगे निकल जाते हैं। लेकिन बाद में आपके हमारे पुरखों की समाधी पर कोई और आकर चादर चढ़ा देते हैं और स्थल पर कब्जा कर लेते हैं। ऐसा करके वह आपका और समाज का नुकसान करते हैं। समय के साथ परंपरा को बदलने पर विचार करना चाहिए ज्यादा अच्छा होगा। यह ज्यादा अच्छा होगा कि पंचतत्व का शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को विमुक्ति दिवस पर यह सलाह विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतु समुदाय के लोगों को दी। इन समुदायों के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने रवींद्र भवन में प्रदेश स्तरीय समारोह किया। जिसमें समाज को प्रशासनिक, राजनीतिक व खेल समेत अन्य क्षेत्र में आगे लाकर जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता जताई। मुख्यमंत्री ने उक्त समुदाय के लिए किए जाने वाले भविष्य के काम भी गिनाए। यह भी कहा कि किसी भी जाति को अपमानित नहीं होंगे देंगे, जो गलत करेगा, उसे मिलेगी सजा दिलाएंगे। अपराध करने वाला किसी एक जाति का नहीं, बल्कि सभी जाति का दुश्मन होता है। ऐसे अपराधियों से उसकी जाति को अपमानित नहीं होंगे। यह आयोजन शाम को हुआ। जिसमें विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि इन जातियों को अंग्रेजों द्वारा अपराधी घोषित किया गया था। यह कलंक मिटा दिया है, अब इन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु जाति विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बाबूलाल बंजारा ने अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री की विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतु समुदाय को सलाह

- विमुक्त, घुमंतु व अर्द्ध-घुमंतु जातियों की मौजूदा संख्या का पता लगाने सर्वे कराएंगे।
- खानाबदोश का जीवन यापन नहीं करने देंगे, स्थाई मुकाम दिलाकर राजनीतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में सहभागी बनाएंगे।
- भाट, चारण, बेलदार, पारधी, कुचबंदिया आदि जातियों को योजनाओं का लाभ देंगे, अभी ये लाभ लेने में पिछड़े हैं।
- कबूतरी, कालबेलिया, सिकलीगर, बांछड़ा आदि जातियों के लिए विशेष योजना बनेगी।
- गड़रिया, लोहार जाति एवं अन्य जातियों के लिए आवास की व्यवस्था की जाएगी।
- इन जातियों के युवाओं को खेल समेत अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर समृद्ध बनाया जाएगा।
- विशेष तवज्जो देकर अग्निवीर व अन्य योजनाओं का दिया जाएगा।
- संभाग स्तर पर इनकी लोक-संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा। शहरों में बनने वाले गीता भवनों से समाज की जातियों को जोड़ा जाएगा।
- इन जातियों के लिए अलग से मांगलिक भवन बनाए जाएंगे।

मेट्रो एंकर साक्षरता पर केन्द्रित होंगे कार्यक्रम, सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी

साक्षरता सप्ताह: घर में सभी साक्षर तो बाहर लिखेंगे 'सम्पूर्ण साक्षर परिवार', प्रमाण-पत्र भी मिलेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1 सितंबर से प्रदेशभर में साक्षरता सप्ताह शुरू किया जा रहा है। सर्वे के दौरान यदि किसी घर में सभी सदस्य साक्षर हैं, तो इसका प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा। साक्षर होने की स्थिति में घर के बाहर ÷सम्पूर्ण साक्षर परिवार'' लिखा जायेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि अक्षर साथी के घर की बाहरी दीवार पर ÷अक्षर साथी निवास'' लिखा जायेगा। प्रत्येक शिक्षक की जवाबदारी तय की गई है कि वे छात्र-छात्राओं से समूह बनाकर कम से कम 5 घरों में साक्षरता संबंधी जानकारी एकत्र करें। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने व्यापक तैयारियाँ की हैं। साक्षरता अभियान की गतिविधियों को लेकर राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी किये हैं। साक्षरता सप्ताह के दौरान सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में साक्षरता के महत्व के बारे में जानकारी दी जायेगी। इसके साथ ही राज्य में संचालित उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में बताया जायेगा।

3 सितम्बर को सर्वे होगा शुरू: प्रदेशभर में 2 सितम्बर को साक्षरता रैली आयोजित की जायेगी। रैली में विद्यालय, महाविद्यालय, नेहरू युवा केन्द्र, जन-अभियान परिषद, अक्षर साथियों,

शिक्षकों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। तीन सितम्बर को सर्वे कार्य किया जायेगा। साक्षरता सप्ताह के दौरान 4 सितम्बर को प्रत्येक ग्राम में शिक्षक द्वारा असाक्षर पंजी का संधारण किया जायेगा। सर्वे में पाये गये प्रत्येक असाक्षर को 'ईच वन-टीच वन' के रूप में योजना तैयार की जायेगी।

साक्षरता के महत्व पर प्रदेशभर में नारे लेखन, निबंध प्रतियोगिता, परिचर्चा: शिक्षक दिवस को विद्यालय, महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षकों द्वारा साक्षरता के महत्व और सभी के लिये शिक्षा पर परिचर्चा आयोजित की जायेगी। इसी दिन साक्षरता गीत, नाटकों एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। सप्ताह के दौरान 6 सितम्बर को साक्षरता के महत्व पर प्रदेशभर में नारे लेखन, निबंध प्रतियोगिता, परिचर्चा का आयोजन किया जायेगा। सप्ताह में 7 सितम्बर को अक्षर साथी सर्वे में पहचाने गये असाक्षर साथियों से सम्पर्क करेंगे और उन्हें साक्षरता के महत्व के बारे में जानकारी देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययन केन्द्र पर ढोलक, मजीरों के साथ स्थानीय बोली में गीत गायन किया जायेगा।

हर स्कूल में दिलाई जाएगी शपथ

साक्षरता सप्ताह के अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिला, विकासखण्ड, संकुल एवं ग्राम स्तर पर साक्षरता पर केन्द्रित कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक विद्यालय में साक्षरता की शपथ कार्यक्रम, श्रेष्ठ कार्य करने वाले अक्षर साथियों का सम्मान और नव-साक्षरों को कार्यक्रम में आमंत्रित कर उनके जीवन में आये परिवर्तन के बारे में जन-समुदाय को जानकारी दी जायेगी।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में वर्ष 2030 तक सम्पूर्ण देश में शत-प्रतिशत साक्षरता दर का लक्ष्य प्राप्त करने का कार्यक्रम तय किया गया है। इसी मकसद से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वयस्क, जो औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाये हैं, उन्हें साक्षर करने का कार्य किया जा रहा है।

कंपनी ने नई जंग भी जीती

खुशबू की कहानी बोरोलीन... आजादी के जश्न में मुफ्त बंटी थी देश में

'खुशबूदार एंटीसेप्टिक क्रीम बोरोलीन...' 90 के दशक में टीवी पर गूंजने वाली इस जिंगल को भला कौन भुला सकता है। देश की इस पुरानी और घर घर मशहूर एंटीसेप्टिक क्रीम बोरोलीन नए सिरे से चर्चा में है। ट्रेडमार्क के मामले में दिल्लीहाई कोर्ट ने बोरोलीन बनाने वाली कंपनी जीडी फार्मास्यूटिकल्स के पक्ष में फैसला सुनाया है। यह एक ऐसी क्रीम है जो केवल एक ब्यूटी प्रॉडक्ट के तौर पर ही नहीं जानी जाती बल्कि अक्सर फर्स्ट एड बॉक्स में भी नजर आ जाती है। अंग्रेजी शासन में विदेशी उत्पादों को टक्कर देने के लिए स्वदेशी मूवमेंट के तहत जन्मी इस क्रीम की भारतीयों के घर में खास जगह है। उल्लेखनीय है कि बोरोलीन को अस्तित्व में लाने का श्रेय कोलकाता के गौरमोहन गुप्ता को है। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन के दौर में 1929 में लोगों के लिए एक ऐसी एंटीसेप्टिक क्रीम बनाने का फैसला किया जो हर भारतीय की पहुंच में हो। उस समय देश में महंगी विदेशी क्रीम का राज था। गौरमोहन खुद विदेशी सामान का आयात करते थे लेकिन फिर स्वदेशी मूवमेंट से जुड़ गए।

कैसे हुई लोकप्रिय- मगर यह सब आसान नहीं था। कई लोगों ने उन्हें हतोत्साहित किया लेकिन गौर मोहन भी अपनी धुन के पक्के थे। उन्होंने अपनी कोशिश जारी रखी। भारत को आजाद और आत्मनिर्भर बनाने का सपना दिल में रखते हुए उन्होंने अपने घर पर स्वदेशी उत्पाद बनाना शुरू किया। इन्हीं में से एक थी हरे रंग के ट्यूब और गोल काले ढक्कन वाली बोरोलीन क्रीम। उन्होंने इसे 1929 में लॉन्च किया। जल्दी ही इसने भारतीयों के दिल में जगह बना ली। बोरोलीन बनाने वाली कंपनी का नाम जीडी फार्मास्यूटिकल्स है। इसे बोरोलीन पीपुल के नाम से भी जाना जाता है। बोरोलीन दो शब्दों से मिलकर बना है। बोरो शब्द बोरिक पाउडर से लिया गया है जबकि ओलीन लैटिन शब्द ओलियन से लिया गया है।

अमूमन कंपनियां अपने प्रॉडक्ट के फॉर्मूले का राज नहीं खोलती हैं लेकिन स्वदेशी आंदोलन से उपजी बोरोलीन ने कभी ऐसा नहीं किया। शायद यही वजह है कि उसे ट्रेडमार्क की समस्या का सामना करना पड़ा। जीडी फार्मास्यूटिकल्स के मुताबिक बोरोलीन एंटीसेप्टिक क्रीम में एंटीसेप्टिक बोरिक एसिड, एस्ट्रिंजेंट, सनस्क्रीन जिंक ऑक्साइड और एमोलिएंट लैनोलिन का इस्तेमाल होता है। बोरोलीन का उपयोग कटे-फटे होंठ, खुरदरी त्वचा और संक्रमण के इलाज के लिए किया जाता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक इस क्रीम ने देशभर के लोगों पर जादू कर दिया था। बोरोलीन हर तरह की त्वचा को सूट करने वाली क्रीम है।

आजादी का जश्न- साल गुजरने का साथ ही बोरोलीन की लोकप्रियता भी बढ़ती गई। यह एक तरह से देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई थी। बोरोलीन के बारे में कई दिलचस्प किस्से भी मशहूर हैं। कहा जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और मशहूर अभिनेता राजकुमार भी इसे यूज करते थे। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तो जीडी फार्मास्युटिकल्स ने इस खुशी के मौके पर आम जनता को 1,00,000 से भी ज्यादा बोरोलीन ट्यूब मुफ्त में बांटी थीं। साथ ही कंपनी ने उस दिन कलकत्ता के दो अखबारों में इसका विज्ञापन भी दिया था। कई साल तक कंपनी केवल बोरोलीन के सहारे रही। लेकिन 90 के दशक के आखिर में उसने एलीन हेयर ऑयल लॉन्च किया। साल 2003 में कंपनी ने सुथॉल नाम का एंटिसेप्टिक लिक्विड लॉन्च किया। गर्मी के मौसम में सुथॉल की सेल बढ़ती है जबकि बोरोलीन की बिक्री सर्दियों में ज्यादा होती है। आज कंपनी के पोर्टफोलियो में बोरोलीन, बीओ लिप्स, ऋह्वह्यह्वद्बद्ग हैंड वॉश, ऋह्वह्यह्वद्बद्ग हैंड सैनेटाइजर, एलीन, सुथॉल, पेनोरब और नोप्रिक्स जैसे कई प्रॉडक्ट्स हैं। कंपनी के देश में दो प्लांट हैं। बोरोलीन ट्रेडमार्क भारत के अलावा ओमान, तुर्की, बांग्लादेश और यूएई में भी रजिस्टर्ड है।

आज के हिसाब से अपने आप को अपडेट रखना कितना जरूरी है?

आजकल के समय में अपडेट रहना ,स्वयं को अपडेट रखना जरूरी है। स्वयं को अपडेट रखेंगे तो नए ज़माने, नई पीढ़ी के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकते हैं । समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। जो अपडेट नहीं होता वो समय से पीछे रह जाता है। इसे लेकर समय-समय पर कई दार्शनिकों ने भी अपनी बातें रखीं हैं वहीं इन दिनों सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर दिलचस्प बहस चलती रहती हैं। मसलन इन दिनों एक साधारण से उदाहरण के साथ यह बात समझाने का प्रयास किया जा रहा है इसके लिए लगभग 46 साल पुरानी चर्चित फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' के बहुत प्रसिद्ध गाने की तस्वीर का इस्तेमाल किया जा रहा है है -यदि इस तस्वीर पर ध्यान दिया जाए तो इसमें 'तब' के 4 'नामी गिरामी' दिखते हैं-

प्रीमियर पद्मिनी,
चेतक स्कूटर
राजदूत मोटरसाइकिल
और अमिताभ बच्चन

अब अभिताभ का उदाहरण देकर इसमें कहा जा रहा है कि आज इसमें से केवल एक अपनी पुरानी शान को बरकरार रख पाया है, बाकी तो लगभग गायब हैं...। यदि इस पर गौर किया जाए तो अपडेशन की महत्ता समझ आती है। क्योंकि दुनिया में जो समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता वो किनारे लगा दिया जाता है। अमिताभ ने वक्त को समझा, खुद को लगातार अपडेट करते रहे....आज भी रेस में बरकरार हैं। जबकि बाकी निर्जीव होकर भी मार्केट में सलामत नहीं रह पाए क्योंकि इनको अपडेट करने से परहेज़ रखा अर्थात उनको अपडेट नहीं किया गया।

तीन उदाहरण और हैं मौजूद...

1. नोकिया ने एंड्रॉयड को नकार दिया
2. याहू ने गूगल को नकार दिया
3. कोडक ने डिजिटल कैमरों को नकार दिया

सबक-

1. जोखिम उठाएँ
2. बदलाव को अपनाएँ
3. अगर आप समय के साथ बदलाव करने से इनकार करते हैं, तो आप पुराने पड़ जाएँगे

दो और कहानियाँ-

1. फेसबुक ने व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम को अपने कब्जे में ले लिया
2. ग्रैब ने दक्षिण-पूर्व एशिया में उबर को अपने कब्जे में ले लिया

सबक-

1. इतना शक्तिशाली बनो कि तुम्हारे प्रतिस्पर्धी तुम्हारे सहयोगी बन जाएँ
2. शीर्ष पर पहुँचो और प्रतिस्पर्धा को खत्म करो।
3. नवाचार करते रहें

दो और कहानियाँ-

1. कर्नल सैंडर्स ने 65 साल की उम्र में चस्न्नष्ट की स्थापना की 2. जैक मा, जिन्हें चस्न्नष्ट में नौकरी नहीं मिली, ने अलीबाबा की स्थापना की और 55 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो गए।

सबक-

1. उम्र सिर्फ़ एक संख्या है, 2. सिर्फ़ वही लोग सफल होंगे जो कोशिश करते रहेंगे आखिरी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात-, लेम्बोर्गिनी की स्थापना एक ट्रैक्टर निर्माता से बदला लेने के परिणामस्वरूप हुई थी, जिसका फेरारी के संस्थापक एन्ज़ो फेरारी ने अपमान किया था।

सबक= कभी भी किसी को कम मत समझो!

- बस कड़ी मेहनत करते रहो
- अपना समय समझदारी से निवेश करो
- असफल होने से मत डरो

मुंह पर माफी का दही! चेहरे पर माफी का पूर्णविराम सियासत में जरा सी माफी इतनी मुश्किल क्यों है?

■अजुन खरे

मैं हार की ज़िम्मेदारी लेता हूं ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के आम चुनाव में कंज़र्वेटिव पार्टी के सबसे खराब प्रदर्शन के लिए देश से माफी मांगी। फिर अपने प्रतिद्वंदी और ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की जमकर तारीफ़ की।

इधर, हमारे देश में, सिंधुदुर्ग में 35 फीट ऊंची शिवाजी की प्रतिमा ढहने के मामले को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में हंगामा मचा हुआ है। शिवसेना (UBT) और एनसीपी सहित तमाम विपक्षी दल इस मुद्दे पर शिंदे सरकार को घेर रहे हैं। उनसे माफी की मांग कर रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। यहां तक कि नौसेना तक को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है. लेकिन माफी कोई नहीं मांग रहा है. हमारे देश में कोई पॉलिटिशियन माफी क्यों नहीं मांगना चाहता है? क्षमायाचना करने में उसका क्या जाता है? सियासी इतिहास देखें तो लगेगा माफी कितना मुश्किल शब्द बन गया है या कहें तो बना दिया है हमारे सियासतदानों ने...। तो चलिए आज इसी माफी शब्द पर ही बात करते हैं बल्कि इसमें आम लोगों को भी शामिल कर लेते हैं। यह भी विचार करते हैं कि सियासतदानों और आम आदमी की माफी में क्या फर्क...राजनीतिज्ञ आखिर माफी क्यों नहीं मांगते?

क्या होता है माफी का मनोविज्ञान: राजनेताओं की माफी की बात करें इससे पहले आइए जाने लेते हैं कि माफी का मनोविज्ञान क्या होता है? प्रशांत भूषण के किसी एक मामले में सेफोलॉजिस्ट योगेंद्र यादव ने माफी को लेकर बहुत मार्के की बात कही थी। उन्होंने लिखा कि माफीनामे के लिए पांच शर्तों का पूरा होना जरूरी है। पहली शर्ते ये है कि सचमुच कुछ गलत हुआ हो। माफी मांगने के लिए बहुत जरूरी है कि कहीं कोई भूल-चूक हुई हो, कुछ ऐसा हुआ हो जो लगे कि भाई, नैतिक रूप से ये बात जायज ना कही जायेगी। ऐसा होने पर ही तो कोई अपनी भूल-चूक या नैतिक दोष के लिए माफी मांगेगा ! दूसरी शर्त है मन में स्वीकार भाव का होना, पूरी साफगोई से ये स्वीकार करना कि हां, गलती हुई है। तीसरी शर्त है जिम्मेदारी के भाव का होना, इस तैयारी का होना कि जो गलती हुई है उसके चाहे जो नतीजों हों, जो भी नुकसान हुआ हो, उस सबका जिम्मेवार मैं ही हूं क्योंकि गलती मैंने की है। चौथी शर्त है पछतावे का भाव जो आपसे ये कहलावे कि जो गलती हुई उसको लेकर आपके दिल में दर्द है, आप गहरे अफसोस में हैं कि आह ! मुझसे ये क्या हो गया ! पांचवीं और आखिरी शर्त का रिश्ता एक संकल्प से जुड़ा है, मन में ये संकल्प होना चाहिए कि ऐसी गलती फिर कभी दोबारा नहीं होगी. यानी इसके निचोड़ के रूप देखें तो साफ समझ में आएगा कि माफी मांगने के लिए पछतावा होना जरूरी है. इसके अलावा मन में संकल्प शक्ति का होना जरूरी है।

हमारे देश में कोई पॉलिटिशियन माफी क्यों नहीं मांगना चाहता है? क्षमायाचना करने में उसका क्या जाता है? सियासी इतिहास देखें तो लगेगा माफी कितना मुश्किल शब्द बन गया है या कहें तो हमारे सियासतदानों ने बना दिया है।

माफी के मनोविज्ञान को समझ लेने के बाद चलिए इस बात पर विचार करते हैं कि पॉलिटिशियन के मामले में क्या हो जाता है? वे किस बात से डरकर माफी मांगने से बचना चाहते हैं? कुछ कारणों पर विचार करें तो साफ दिखाई देगा कि सियासतदान माफी से इन वजहों से बचना चाहते हैं-

कमजोर दिखाई देना: पॉलिटिशियन को लगता है कि माफी मांगना असुरक्षा या कमजोरी के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, जिसका विरोधी फायदा उठा सकते हैं'

जवाबदेही का अभाव: जब माफी ही नहीं मांगेंगे तो उसके परिणाम को भी फेस नहीं करना होगा.

मान-सम्मान की हानि: गलती स्वीकार करने से प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता की हानि हो सकती है.

कानूनी नतीजों का डर: सियासतदानों को डर होता है कि कहीं उनकी माफ़ी को कानूनी कार्यवाही में सबूत के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाए.

पार्टी के प्रति वफादारी: जो कह दिया सो कह दिया का भाव... और अपने साथी नेताओं की आलोचना करने से बचने के लिए माफी मांगने से बचते हैं।

माफी का अपने ही खिलाफ इस्तेमाल होने का डर: भविष्य में माफी का कहीं अपने ही खिलाफ इस्तेमाल ना किया जाए।

ईगो: कुछ नेताओं को व्यक्तिगत प्रतिष्ठा या अहंकार के कारण गलती स्वीकार करने में कठिनाई होती है।

मिसाल कायम होने का डर: एक मुद्दे पर माफी मांगने से दूसरे मुद्दों पर माफी की मांग हो सकती है।

रेपुटेशन लॉस: कुछ क्षेत्रों में माफी मांगने को गरिमा या प्रतिष्ठा की हानि के रूप में देखा जाता है।

जबकि विचार किया जाए तो माफी नहीं मांगने के जितने खतरे हैं उसकी तुलना में माफी एक अद्भुत शब्द है. भारत से अमेरिका तक ऐसे ढेरों उदाहरण हैं जब राष्ट्र पति से लेकर सामान्य राजनेता ने लोगों से माफी मांगी और जनता ने उस नेता का न सिर्फ माफ किया बल्कि अपने सर-माथे भी बिठाया. अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से बड़ी गलती हुई. उन्होंने लोगों से माफी माफी मांगी. लोग गलतियों पर माफी मांगने पर क्षमा करने पर तैयार रहते हैं. इमरजेंसी की याद करें तो इंदिरा गांधी के प्रति नफरत को भुला लोगों ने उन्हें दोबारा सत्ता सौंपी थी. इस तरह से देखा जाए तो माफी मांगने के बहुत से पॉजिटिव प्रभाव हो सकते हैं. कुछ की बात की जाए तो इससे... सहानुभूति और जवाबदेही दिखाई देती है। आपसी तनाव दूर होकर विश्वास कायम होता है।परिपक्वता और नेतृत्व प्रदर्शित होता है। रचनात्मक संवाद को प्रोत्साहन मिलता है। फिर माफी मांगने में कैसी शर्म? हम तो ऐसी उम्मीद ही कर सकते हैं कि आगे शायद कभी सियासतदानों का रवैया बदले और वे खुले दिल से माफी मांगने के लिए आगे आने लगें...जिस तरह से राजनीति बदल रही है उम्मीद तो है कि यह दिन जल्द ही देखने को मिलेगा. आप क्या कहते हैं? बोल दीजिए न आमीन!!

इतने गंभीर विमर्श को आइए जरा एक व्यंग्य के माध्यम से हल्का करते हैं। काफी पहले मैंने आम आदमी की माफी को लेकर एक व्यंग्य लिखा था जिसमें उसकी बेचारगी को शिद्दत से महसूस करने की कोशिश की गई थी। यानी आम आदमी तो इस व्यवस्था में इतना बेचारा है कि उसके पास माफी मांगने के लिए कायदे से कोई विषय ही नहीं हैं...हालांकि वो बात अलग है कि वो हर बात पर माफी मांगने के लिए तैयार खड़ा है। उसके अंदर माफी मांगने के लिए जरूरी नैतिक साहस और संकल्प ज़िंदा है।

'लगता है बेकार गए हम' किस्म के शीर्षक मेरे दिमाग में चमकने लगे हैं। मेरा अदनापन अब बौनेपन की ओर बढ़ रहा है. इतनी घोर बेइज्जती, प्रभु! अदने आदमी के जीवन में कमीनेपने की कोई गतिविधि नहीं लिखी तूने? लोगों से मिलो तो हर के पास दूसरों का दिल दुखाने के पर्याप्त किस्से हैं। मौके निकाले हैं लोगों ने इस क्षेत्र में। अपनी कमजोरी के चलते हमही चूक गए! क्या पशुवत जीवन जीया है हमने! दूसरों को ठेस पहुंचाने के हर मौके पर सहमति बनाते रहे. कहीं राय नहीं रख पाए। कहीं विरोध का झंडा तक नहीं उठा पाए। कहीं गलत होता रहा तो टोक नहीं पाए. सौहार्दता बनाए रखी। नपुंसक सहमति किसी को आईना दिखा सकती है भला? बिना आईना दिखाए तो क्या ठेस पहुंचेगी. माफी मांगने के क्या कारण पैदा होंगे. अदने आदमी तेरी तो..सिगरेट के टोटे टाइप मसल देना चाहिए तेरी भलमनसाहत। सो, एक मामूली आदमी की मामूली सी ख्वाहिश भी इन दिनों पूरी नहीं हो पा रही है। वैसे आपको क्या लगता है पहले कभी होती थी क्या, तो ऐसे सभी लोगों को आपकी तरफ से बोल दूं ना, माफ कीजिए भिड़ू.. !

-साभार

पॉस्को एक्ट अंतर्गत बच्चों को दिया गया प्रशिक्षण

बच्चों को गुड टच एवं बेड टच की दी जानकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की नर्मदापुरम शहरी परियोजना में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत शासकीय पीएम श्री स्कूल ग्वालटोली में बालकों का लैंगिक अपराध से संरक्षण अधिनियम 2012 (POCSO) एक्ट का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें उपस्थित बालिकाओं को बताया गया कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का यौन उत्पीडन संबंधी कृत्य किया जाता है तो अपराधी व्यक्ति को अधिकतम मृत्यु दंड एवं कम से कम 20 वर्ष का कारावास होगा। बच्चों को गुड टच एवं बेड टच के बारे में भी जानकारी दी गई। बालिकाओं को बताया गया कि यदि कोई भी उनको शारीरिक मौखिक रूप से परेशान करता है तो उक्त संबंध में बालिका जल्द से जल्द अपने माता-पिता,स्कूल की शिक्षिका, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क करें या फिर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 नंबर से भी अपराधी व्यक्ति के विषय में जानकारी दे सकते हैं उपस्थित सभी बालिकाओं को स्वल्पाहार कराया गया। स्कूल में उपस्थित सभी बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच कराई गई। स्वास्थ्य जांच एएनएम सिस्टर श्रीमती ज्योति एवं श्रीमती सुजाता द्वारा की गई। बालिकाओं की पोस्टर प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें प्रथम स्थान पर चंचल द्वितीय स्थान पर कुमारी आरुषि रही। बालिकाओं से pocso act के विषय में प्रश्नोत्तरी की गई, जिसमें सात बालिका कुमारी मुस्कान जोशी कुमारी अंजली, कुमारी कृष्णा धुर्वे, कुमारी कंचन, पूजा चौहान, अभिलाष सिंह, निर्मल एवं निहारिका को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त बालिकाओं को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती आशा भदौरिया, पर्यवेक्षक श्रीमती आस्था शिवहरे एवं स्कूल की शिक्षिकाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं सुशीला यादव,सीमा गोयले, डॉली यादव, यशोदा बाथरे उपस्थित रही।

निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक अनुपस्थित एवं बच्चों की शैक्षणिक योग्यता संतोषजनक नहीं पाई गई

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया निरीक्षण, देखी अव्यवस्था

सिवनी मालवा/ नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला शिक्षा अधिकारी शत्रुंजय सिह बिसेन ने शनिवार को सोमलवाडा एवं रोहना के शा.उमावि. आकस्मिक निरीक्षण किया। रोहना के स्कूल में कुछ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। जिन पर नियमानुसार कार्यवाही करनें के निर्देश जारी किये जाऐंगे। सोमलवाड़ा के स्कूल में निरीक्षण के दौरान एक शिक्षक अवकाश पर एवं 09 शिक्षक उपस्थित मिले। श्री बिसेन ने प्रचार्य को निर्देश दिये कि वे गत वर्ष का परीक्षा परिणाम विषयवार कक्षावार प्रचार्य कक्ष की दीवार पर लगाये। उन्होने निर्देश दिये कि सभी शिक्षक गत वर्ष के परिक्षा परिणाम से 10 प्रतिशत अधिक परिक्षा परिणाम देवे।

उन्होने कहा कि ऐसा न होनें पर सभी शिक्षको की सेवा पुस्तिका में इसकी प्रविष्टी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान 103 छात्रों में से मात्र 72 छात्र उपस्थित थे। परिसर में पर्याप्त साफ सफाई नहीं थी एवं टॉयलेट्स गंदे पाये गये। श्री बिसेन ने टॉयलेट एवं स्कूल परिसर को स्वच्छ रखने के निर्देश दिये। उन्होने मौके पर ही कक्षा 10वी के विज्ञान विषय की ग्रह कार्य की कॉपी जांची। श्री बिसेन ने 07 सितंबर तक परिसर में व्हालीवॉल, कबड्डी एवं बेडमिंटन का ग्राउड तैयार करा कर इसकी फोटो भेजने के निर्देश दिये। श्री बिसेन ने स?कूल में एक अतिरिक्त कक्ष की मांग को देखते हुए संबंधित शाखा से राशि की मांग कर अतिरिक्त कक्ष बनाने के निर्देश दिये। उन्होने टाइम टेबल जो प्रचार्य की अलमारी में बंद था उसे निकाल कर दिवार पर चस्पा करनें के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान बच्चों का शैक्षणिक स्तर कमजोर पाया गया जिस पर नाराजगी व्यक्त कर श्री बिसेन ने सभी विषयवार शिक्षकों को 15 दिवस में बच्चों के शैक्षणिक स्तर को सुधार कर इसकी रिपोर्ट जिला शिक्षा कार्यालय को प्रेषित करनें के निर्देश दिए।

श्री बिसेन ने प्रात= 10=50 बजे शाउमावि रोहना का आकस्मिक निरीक्षण किया। उपस्थिती पंजी का निरीक्षण करते हुए दो शिक्षक राहुल पूसे एवं सुरे=?द्र कुमार गौर द्वारा हस्ताक्षर करना नहीं पाया गया। प्राचार्य शशि कुमार गौर ने बताया गया कि इनका अवकाश का आवेदन था लेकिन उपस्थिती रजिस्टर में दर्ज नहीं कर पाये। श्री बिसेन ने कहा कि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रचार्य ने जानबूझकर सीएल दर्ज नहीं की। वहीं शिक्षक के के पटेल अनुपस्थित पाये गये तथा नवीन प्रकाश, राकेश सराठे, श्रीमती चित्रा टिकारिया एवं श्रीमती शैलबी पंवार को एफएलएन के प्रशिक्षण पर जाना बताया गया। स्कूली बच्चो से पाठ्यपुस्तक से संबंधी सवाल पूछे गये जिनका जवाब छात्र नहीं बता पाए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्चों की विज्ञान एवं भूगोल की उत्तर पुस्तिकाए नहीं जांची गई जिसका शिक्षकों को तीन दिवस में संतोषजनक जवाब देने के निर्देश दिये गये। छात्रों का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। श्री बिसेन ने शिक्षक राहुल पूसे के लिए निर्देश दिये कि उनके द्वारा कक्षा 9वी में गणित का अध्यापन व्यवस्थित रूप से कराये।

कलेक्टर ने ग्राम तिनघरा पहुंचकर उल्टी दस्त से पीड़ित ग्रामीणों के उपचार की ली जानकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने सिलवानी तहसील के ग्राम तिनघरा का निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों तिनघरा ग्राम में मौसमी बीमारी के कारण कुछ ग्रामीण उल्टी दस्त से बीमार हो गए थे। जिसकी सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री दुबे द्वारा तत्काल तिनघरा में मेडिकल टीम भेजी गई थी, जिनके द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार प्रारंभ किया गया। मेडिकल टीम 24 घंटे ग्राम में ही मौजूद है तथा शासकीय शाला भवन में कैंप बनाया गया है। शनिवार को तिनघरा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुबे द्वारा स्वयं ग्राम में घरङ्घर जाकर सर्वे करते हुए ग्रामीणों से चर्चा कर जानकारी ली गई। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को ग्राम में स्थित पेयजल स्त्रोंतो से सप्लाई बंद करते हुए ग्रामीणों को टैंकरों से पेयजल वितरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही राशन वितरण के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने शासकीय प्राथमिक शाला भवन में बनाए गए मेडिकल कैंप का भी निरीक्षण कर चिकित्सकों से उपचार के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने बताया कि तिनघरा में मौसमी बीमारी के कारण ग्रामीण उल्टी दस्त से पीड़ित हैं, यह कोई महामारी नहीं है। ग्राम में पेयजल स्त्रोतों के आसपास साफ सफाई कराई जा रही है। ग्रामीणों को भी अपने घरों तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने, भोजन तथा पेयजल को ढककर रखने, अच्छी तरह हाथ धोने के बाद ही भोजन करने की समझाइश दी जा रही है।

जिला कोषालय के वरिष्ठ लेखा सहायक रघुवंशी हुए सेवानिवृत, दी भावभीनी विदाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला कोषालय के वरिष्ठ लेखा सहायक सुरेश चंद्र रघुवंशी अपनी 37 वर्षों की गौरवमई एवं उत्कृष्ट सेवा का सफल कार्यकाल पूर्ण कर 31 अगस्त 2024 को सेवानिवृत हुए। सेवानिवृत्ति उपरांत आयोजित कार्यक्रम में सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियो ने उन्हें भावभिनी विदाई दी एवं उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाऐं दी। कार्यक्रम में जिला कोषालय अधिकारी नितेश कुमार उइके ने शॉल एवं श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर श्री रघुवंशी का सम्मान किया।

उल्लेखनीय है कि श्री रघुवंशी ने अपनी शासकीय कोषालयीन सेवा का आरंभ जिला कोषालय मंदसौर से 31 अक्टूबर 1987 को किया था। श्री रघुवंशी जिला कोषालय नर्मदापुरम में 16 जुलाई 1990 से अपनी सेवाएं दे रहे थे। नियुक्ति दिनांक से सेवानिवृत दिनांक तक के कार्यकाल में सुरेश चंद्र रघुवंशी द्वारा विभाग को जो अभूतपूर्व सेवाएं दी गई है वह हमेशा चिरस्मरणीय रहेगी। श्री रघुवंशी की मुख्य रूप से ये विशेषता रही कि उन्होने हमेशा मुस्कुराकर कठिन से कठिन प्रकरणों का निराकरण किया है।श्री रघुवंशी के सेवानिवृत्ति समारोह में, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ललित कुमार डेहरिया, सहायक कोषालय अधिकारी शैलेंद्र चौबे, दुर्गा प्रसाद धुर्वे के अतिरिक्त आयुक्त एवं कलेक्टर कार्यालय के समस्त कर्मचारी गण एवं समस्त कोषालय एवं अन्य विभागों का स्टॉफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर-एसपी ने जिला अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सीहोर । कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह तथा एसपी श्री मयंक अवस्थी ने रात लगभग 11 बजे जिला अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह एवं एसपी श्री अवस्थी ने अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे की संख्या बढ़ाने तथा मेंन गेट में और लाइट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे से 24 घंटे निगरानी के साथ ही डेटा सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल भवन के पीछे का प्रवेश द्वार बंद रखने के निर्देश दिए। पिछला प्रवेश द्वार केवल आपात परिस्थितियों में आवागमन के लिए उपयोग करने तथा वहां से प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा ब्यौरा दर्ज करने के निर्देश दिए। एसपी श्री अवस्थी ने सुरक्षा के मद्दे नजर तीन पुलिसकर्मी बढ़ाने के निर्देश दिए।

हितग्राहियों को हर माह 01 से 30 तारीख तक राशन प्राप्त करना अनिवार्य

सीहोर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय आयुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत प्रदेश की उचित मूल्य दुकानों से संलग्न पात्र हितग्राही अगस्त माह की राशन सामग्री 31 अगस्त 2024 तक प्राप्त कर ले। राशन प्राप्त न करने वाले हितग्राहियों को संचालनालय द्वारा राशन प्राप्त करने हेतु एसएमएस भेजकर सूचना भी दी गई है। इसके साथ ही सभी पात्र हितग्राहियों को सूचित किया गया है कि शासन के निर्देशानुसार एक अगस्त से प्रत्येक माह की 01 से 31 तारीख तक की अवधि में अपना खाद्यान्न उचित मूल्य की दुकान से प्राप्त कर लें। वर्तमान के खाद्यान्न की पात्रता अगले माह में नहीं रहेगी।

मेट्रो एंकर

पौधारोपण कर पोषण माह कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया गया

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया पौधारोपण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम सोजन सिंह रावत, अपर कलेक्टर नर्मदापुरम डी .के. सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदा पुरम आसवन राम चिरामन, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी नर्मदापुरम नितेश उईके, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ललित कुमार डेहरिया, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास बी पी गौर, परियोजना अधिकारी नर्मदापुरम ग्रामीण प्रमोद गौर एवं महिला बाल विकास का स्थानीय अमला एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम अंतर्गत अपर कलेक्टर डी. के. सिंह द्वारा पीपल का वृक्ष, श्री चिरामन द्वारा आम का वृक्ष, नितेश उइके द्वारा जामुन का वृक्ष, श्री डेहरिया द्वारा चीकू का वृक्ष लगाया गया। इसी क्रम में अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया है

आंगनवाड़ी में हुआ वृक्षारोपण

सिवनी मालवा। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना के सेक्टर दो के द्वारा शनिवार को समस्त आंगनबाड़ी केंद्रो पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं एवं आंगनबाड़ी के हितग्राहियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया इसी के साथ पोषण माह कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया गया। जिसके चलते नगर के वार्ड क्रमांक 13 में वार्ड पार्षद एवं सेक्टर पर्यवेक्षक की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । वार्ड पार्षद श्रीमती किरण राठौर द्वारा वृक्षारोपण के महत्व के संबंध में उपस्थित जन सामान्य को जानकारी दी एवं पर्यवेक्षक चंद्रकला विन्डैया द्वारा जानकारी दी गई 1 से 30 सितंबर तक पोषण माह थीम अनुसार समस्त आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित किए जाएंगे।

पार्षद ने वार्डवासियों, पदाधिकारियों व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने लगाए पौधे

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

बाल सुरक्षा माह के अंतर्गत शनिवार को वार्ड क्रमांक 8 उत्तर बंगलिया में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 106 और 67 के सहयोग से पोषण माह के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम वृहद पौधरोपण अभियान के तहत शपथ दिलाई और पौधरोपण किया। इस अवसर पर वार्ड 8 की पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया ने जिला मंत्री ममता मालवीय, अल्पसंख्यक महिला मोर्चा उपाध्यक्ष मुमताज बी, पूर्व पार्षद प्रियंका चौहान, फिरोजा वी, अनीशा वी, रूविना वी, आशमा वी, रूकसार वी, सुनीता कुशवाहा, सुनंदा, शांति कोरी, सुनीता अग्रवाल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कविता मैथुल, सरला मेहरा, आरती वानखेड़े सहित अन्य वार्डवासियों के साथ पौधारोपण किया। वार्ड 8 की पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया ने वार्डवासियों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवन में वृक्षों के महत्व की जानकारी दी और कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारे लिए बेहद जरूरी है, वृक्ष लगाकर हम अपनी आने वाली पीढ़ी को शुद्ध वातावरण देंगे। यही संकल्प हम सबको लेना है। जिला मंत्री ममता मालवीय ने सभी को शपथ दिलाई। उन्होंने सभी महिलाओं को एक वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित किया एवं महिलाओं ने भी संकल्प लिया कि वह एक वृक्ष लगाकर उसकी देखभाल करेगी और यह पेड़ मां के नाम होगा तो उन्हें खुशी भी होगी।

सभापति ने किया पौधरोपण

इटरसी। एक पेड़ मां के नाम के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वार्ड क्रमांक 18 कस्तूरबा नगर में जल सभापति श्रीमती देवेंद्र गीता पटेल नगर पालिका के द्वारा वृक्षारोपण करके आरंभ किया गया, साथी शपथ ली गई की पूरे माह राष्ट्रीय पोषण माह की अलग-अलग गतिविधियों के साथ आयोजित किया जाएगा। जिसमें हर वर्ग के हितग्राहियों पोषण की शिक्षा दी जाएगी जिसमें स्वास्थ्य विभाग शिक्षा विभाग के समन्वय से सफल आयोजन किया जाएगा सभी को राष्ट्रीय पोषण माह की शुभकामनाएं दी गई वार्ड के कार्यक्रम में वार्ड की महिलाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहे।

सांसद की उपस्थिति में भिड़े भाजपा कार्यकर्ता, पक्षपात के आरोप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सांसद लता वानखेड़े के गत दिवस लटेरी दौरे को लेकर दो गुट आमने-सामने हो गए हैं। एक गुट लटेरी मंडल व दूसरा सांसद का बताया जा रहा है। सांसद लता वानखेड़े के लटेरी आगमन पर भाजपा लटेरी मंडल अध्यक्ष रामकुंअर बघेल के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने सांसद के समक्ष लटेरी मंडल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सांसद का स्वागत कर कहा कि उनको इस कार्यक्रम की किसी प्रकार की सूचना नहीं थी।

इस कारण सांसद की गरिमा अनुरूप स्वागत सत्कार नहीं हो पाया और दूसरी ओर जिन लोगों ने कार्यक्रम आयोजित किया है व जिनके यहां भोजन की व्यवस्था है वह कांग्रेस के कार्यकर्ता है। गत विधानसभा व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रचार किया था तो दूसरी तरफ ऐसे लोगो है जिन्होंने पक्षपात कर सूचना तक नहीं दी। जिससे भाजपा नगर मंडल व अन्य कार्यकर्ता आहत है। आरोप लगाए कि जिन लोगों को कार्यक्रम बनाने के लिए अधिकृत किया गया है उन लोगों को भाजपा कार्यकर्ताओं को भरोसे में लेना चाहिए था। कांग्रेस के सदस्यता के साक्ष्य दिखाते हुए कहा कि उनके चित्र दिग्विजय सिंह के साथ है और कार्तिकेय चौहान के साथ अभद्र व्यवहार कर चुके हैं। इसी बीच मामले को दरकिनार करते हुए अत्तू भंडारी ने भाजपा नेता राम मोहन शर्मा पर आरोप लगाना शुरू कर दिए कि इन्होंने मेरे चुनाव में विरोध किया। जिस पर राममोहन यह कहते सुनाई दे दिए उनके चुनाव में एक हिन्दू के हत्यारे प्रचार करने आए थे।

मामला इतना बढ़ गया कि हाथापाई और गिरवान पकड़ने की नौबत आ पहुंची। अत्तू भंडारी ने इस बीच कहा कि हमने कई पोलिंग पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट तक नहीं बैठने दिए। इसी बीच कोई यह कहता हुआ भी सुना जा रहा है कि मैं अकेले ने 15 वोट डाले हैं। सांसद ने सबके सामने यह माना कि उनके यहां से जो कार्यक्रम आना था वह नहीं आया और ज्यादातर विवाद में वे तटस्थ रही। मामले का वीडियो वायरल होते ही कांग्रेसियों ने मजे लेना शुरू कर दिया और एक पक्ष को विधायक का व दूसरे को सांसद का बता कर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट की है। वही यह भी आरोप लगाए गए हैं कि भाजपा ने विधानसभा व लोकसभा के किस प्रकार जीते हैं यह अब स्पष्ट हो जाता है। मामले को लेकर हमने सांसद लता वानखेड़े के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

इनका कहना है -

सांसद लटेरी प्रवास पर आ रही थी तो हमें सूचना होना चाहिए हालांकि वे उनके निजी कार्यक्रम पर थीं फिर भी कार्यकर्ताओं के उत्साह वर्धन हेतु हमें जानकारी देना थी। विधायक बीमार है इस कारण वे कार्यक्रम में नहीं आए।

***राजकुंअर बघेल,** भाजपा मंडल अध्यक्ष लटेरी*

यह अपेक्षा थी कि वह भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल को सूचना होती तो हम सांसद का स्वागत अच्छे से कर पाते।

***राम गुलाम राजोरिया,** भाजपा महामंत्री*

मैंने भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते यह कार्यक्रम बनाया था और भाजपा के महामंत्री को विधिवत सूचना दी थी और सांसद जी के कार्यालय से भी नियमानुसार प्रोटोकॉल जारी किया गया था। प्रशासनिक और पार्टी का कार्यक्रम नहीं था अपितु कुशवाह समाज का व्यक्तिगत कार्यक्रम था। उनका उद्देश्य कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करना था और सांसद जी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सबके यहां गई।

***दीपक खोड़के** भाजपा कार्यकता*

यह सीधा विधायक व सांसद के बीच टकराव है जिसमें जनता पिस रही है। घटना के दौरान भाजपा नेताओं के बयानों पर चुनाव आयोग को संज्ञान लेना चाहिए कि किस प्रकार भाजपा ने चुनाव जीता है। सादिक कुरैशी जिला महामंत्री कांग्रेसरू भाजपा की अंतरकलह और अनुशासनहीनता अब सड़कों पर आ गई है।

***सुरेंद्र रघुवंशी** राष्ट्रीय महामंत्री किसान कांग्रेस*

मोहल्ले वासियों ने भैंस व्यवसाइयों पर कार्यवाही को लेकर दिया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज वार्ड नम्वर 20 गुम्मठ पर भैंस पड़ा व्यवसाइयों द्वारा ट्रक से उतारना, चढ़ाना गंदगी फैलाना अनेकों परेशानियो के सम्बन्ध मे एक ज्ञापन, मोहल्ले वासियों ने अनुविभागीय अधिकारी के नाम दिया जिसमे कहा गया की मोहल्ले में मंदिर मस्जिद दोनों है और उनके आसपास काफी लोग रहते हैं इसी मोहल्ले में कुछ लोग भैंस,पाड़ो, का धंधा करते हैं उक्त जानवरों को सड़क पर बांध देते हैं जिससे नालियों में और आने जाने वाले रास्ते मे गंदगी हो जाती है जिस गंदगी की वजह से मोहल्ले वाले बहुत परेशान है उचित कार्यवाही की मांग की है ज्ञापन देने वालो मे जावेद खान, आरिफ गौरी दिलीप, हीरा लाल, तूफान कुशवाह, मलखान, जीतेन्द्र, मोवत सिंह, कालियान, जीतेन्द्र सलीम खान सहित अनेकों महिला एवं पुरुष तहसील पहुँच कर अनुविभागीय महोदय के नाम तहसील दार महोदय को ज्ञापन दिया ।

अभावि परिषद द्वारा एलबीएस कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन

सिरोंज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सिरोंज द्वारा एलबीएस कॉलेज की अव्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम सर को ज्ञापन दिया गया जिसमें वर्तमान में चल रही कॉलेज में कुछ टीचरों की समय पर उपस्थित न होना समय से पूर्व टीचरों का चले जाना ऑन ड्यूटी होते हुए टीचरों का कॉलेज से बाहर रहना कॉलेज में पार्किंग व्यवस्था ड्रेस कोड को शक्ति से लागू करना बाहरी लोगों का कॉलेज में आने पर रोक लगाने के लिए एवं ग्राउंड में बाहरी लोगों की उपस्थित जैसी अन्य आसुविधाओं को लेकर विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज में प्रदर्शन भी किया तत्पश्चात एसडीएम को ज्ञापन देने गए एवं जल्द से जल्द सभी समस्याओं को दूर करने को कहा गया अगर जल्दी से जल्दी यह समस्या है दूर नहीं की गई तो विद्यार्थी परिषद द्वारा कॉलेज में आंदोलन किया जाएगा

सिंचाई विभाग एसडीओ को लिया आड़े हाथों

जन समस्या निवारण शिविर में अधिकारियों पर बरसे विधायक

गौशालाओं की 7 दिनों में की जाए जांच, पुलिस का रहा सख्त पैरा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन विधायक उमाकांत शर्मा की मौजूदगी में हुआ जिसमें 300 के करीब आवेदन आए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी एसडीओपी उमेश तिवारी ,थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार के साथ पुलिस कर्मियों की टीम मौजूद थी बेरी गेट लगे हुए थे नंबर आने पर शिकायतकर्ता को अंदर जाकर माइक पर अपनी बात रखने का अवसर दिया जा रहा तहसीलदार संजय चौरसिया आवेदन मंच से बता रहे थे ।

विधायक आवेदन पर तत्काल अधिकारियों से जवाब लेकर समाधान करवा रहे थे कुछ मामले में तत्काल एक्शन लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को मौके पर भी भेजो ।केथन डैम की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण के कारण नगर वासियों को 2 सालों से पानी के लिए हैरान परेशान होना पड़ा इस पर उन्होंने सिंचाई विभाग एसडीओ जयेश विजय वर्गीय को जमकर खरी खोटी सुनाते हुए कहा कि केथन डैम की जमीन में अवैध रूप से खेती करवा कर लोगों को पाने के लिए तरस रहे हो 5 साल में 5 महीने भी नहीं रुके होंगे एक व्यक्ति अबैध रूप से खेती करने के लिए गायों को कुत्तों से कटवा रहा है इस पर उन्होंने जवाब मांगता हूं एसडीओ को उसकी जानकारी नहीं थी इस पर विधायक आग बबूला हो गए उन्होंने कहा कि सिरोंज की हत्या करवाना चाह रहे हो पानी के लिए लोग रात भर जागे यह सब लापरवाही आपके कारण हुई है यदि खेती नहीं हो रही होती थी पानी के लिए लोग परेशान नहीं हो रहे होते उन्होंने कहा कि जितना लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है उसे केथन डैम की जमीन को मुक्त करवाए और मौके मौके पर भी भेज का दाम पीने के लिए बनाया गया खेती के लिए नहीं बनाया गया है 2 साल तक पर्याप्त पानी रहना चाहिए इसका इंतजाम हो इसमें किसी तरह की चूक बर्दाश्त नहीं करेंगे।

खेती के लिए पानी ना छोड़े खेती करने वालों पर तत्काल ठोस कार्रवाई करें इसी तरह एलबीएस कॉलेज के एबीपी के छात्रों ने शिकायत करते हुए कहा कि अधिकांश स्टाफ आता नहीं है आता है तो साइन करके चले जाते हैं इस वजह से हमारी पढ़ाई प्रवाहित हो रही शासन की योजना में भी लीपा पोती हो रही है इसके बाद उन्होंने इस मामले को भी गंभीरता से लेते हुए एलबीएस कॉलेज के जिम्मेदारों से सवाल जवाब किया तो वह जवाब नहीं दे पाए कॉलेज में जांच करने के लिए उन्होंने नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल और नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू को साथ में भेजो वहीं उन्होंने गौशालाओं की बात करते हुए कहा कि उनकी स्थिति ठीक नहीं है इस संबंध में कई जगह से मेरे पास भी शिकायत है आ चुकी है मैं जिला कलेक्टर और स्थानीय प्रशासन से सात दिवस में इन सभी गौशालाओं की जांच करवा कर जिन लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है उनका सामान खाली कराकर मवेशियों को रखने के लिए संपूर्ण व्यवस्था करवाने की मांग करूंगा साथ ही चरनोई की भूमि का मामला बोले की कम कठिन है लेकिन जिला कलेक्टर एवं एसडीएम से इस संबंध में भी मांग करेंगे कि जिन लोगों ने भी चरनोई की जमीन पर कब्जा कर रखा है उनके खिलाफ कार्रवाई करके चरनोई तथा वन विभाग की भूमि को मुक्त करा कर मवेशियों के लिए इनका उपयोग हो इस संबंध में ठोस कदम उठाएं।

वहीं अशोक जैन खर्च ने केथन डेम, तालाब मवेशियों चरनोई की भूमि लेकर मरघट शालाओं पर हुए अतिक्रमण की शिकायत की जिस पर विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि अतिक्रमण किसी का भी हो उसके खिलाफ कार्रवाई करें कि विधायक का अतिक्रमण है तो उसको भी हटाने के निर्देश एसडीएम को दिए नगर पालिका में पाँच साल से हितग्राही अशोक कुशवाह नगरपालिका के चक्कर लगा रहे है इनका अभी तक नामांतरण क्यों नही हुआ जब विधायक ने माइक से यह प्रश्न नगरपालिका के सीएमओ से पूछा तो नामांतरण शाखा के प्रभारी नदारत थे। तब विधायक शर्मा ने बालमुकुंद कुशवाह को निर्देश दिए कि आज ही इनका निराकरण होना चाहिए इतने सालों से इनकी फाइल क्यों अटका रखा है तत्काल समाधान करें। इसी तरह जब दाँगीपुर वार्ड की 64 वर्षीय पार्वती पत्नि हरिनारायण अहिरवार ने वृद्धावस्था पेंशन नही मिलने की शिकायत दर्ज कराई तो विधायक शर्मा ने उनके दस्तावेज की जाँच करने पर सही पाए जाने पर मौके पर ही पेंशन शुरू करवाने के निर्देश एसडीएम हर्षल चौधरी को देकर तत्काल पार्वती बाई की पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इ पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा के साथ वेयर हाउस की निर्माणाधीन सड़क के साथ पक्की नाली व गलियों की मरम्मत करवाने के लिए सामूहिक आवेदन दिया। यहाँ मुख्य मार्ग की सड़क का निर्माण हो जाने से गलियां नीची हो गई है तथा नाली निर्माण न होने से गंदा पानी की निकासी में अवरोध हो रहा है। इसी तरह बिजली से संबंधित आवेदन आए विधायक ने कहा कि मैं मानता हूं कि बिजली कटौती बहुत ज्यादा हो रही है बिजली विभाग से उपभोक्ता परेशान हो रहा है इसमें तत्काल सुधार करने के निर्देश में दिए। पटवारियों की लापरवाही के आवेदन आए इस पर विधायक ने कार्रवाई करने के निर्देश एसडीएम को दिए।

शिविर में सभी विभागो से संबंधित करीब तीन सौ से अधिक मामले शामिल हुए,जिनमे से अनेक मामलों का मौके पर से समाधान किया गया इसके अलावा अन्य शिकायतों का निराकरण समय सीमा में करवाने के निर्देश विधायक उमाकांत शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को प्रदान किए। वही एक अन्य मामले में 2021 से परेशान हो रही विद्यार्थी पथ निवासी वंदना सोनी ने शिकायत करते हुए कहा कि उनके घर पर एक नल कनेक्शन है जबकि नगरपालिका में दो कनेक्शन दर्ज है जो कनेक्शन हमारे निवास पर है उसका हम विधिवत शुल्क जमा करते हैं। दूसरा कनेक्शन मौके पर है ही नही उसकी जांच करने हम नगरपालिका से निवेदन कर चुके है।

साहब में 64 साल की वृद्ध हूँ मुझे पेंशन नही मिल रही

जब दाँगीपुर वार्ड 20 की 64 वर्षीय पार्वती पत्नि हरिनारायण अहिरवार वृद्धावस्था पेंशन नही मिलने की शिकायत दर्ज कराई तो विधायक शर्मा ने उनके दस्तावेज की जाँच करने पर सही पाए जाने पर मौके पर ही पेंशन शुरू करवाने के निर्देश दिए।शिविर में उपस्थित एसडीएम ने तत्काल पार्वती बाई की पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पेंशन शुरू होने पर विधायक उमाकांत शर्मा पार्वती बाई का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान भी किया।

मेट्रो एंकर | **प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र के प्रचार प्रसार हेतु गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित**

जिला चिकित्सालयों में रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र संचालन के निर्देश

सिरोंज दोपहर मेट्रो।

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के प्रत्येक जिला चिकित्सालयों में स्थानीय रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोगा केन्द्र की स्थापना एवं संचालन किया जाना है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्ला शिक्षा संचालनालय द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए बताया कि भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, मध्य प्रदेश (राज्य शाखा) एवं भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो पीएमएचआई) के मध्य एक एमओयू संपादित किया गया है। गौरतलब हो कि 17 सितम्बर 2024 से उक्त समस्त जन औषधि केन्द्रों का संचालन स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रारंभ किया जाना है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के समस्त जिला चिकित्सालयों में ष्प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्रष् की स्थापना एवं संचालन किए जाने हेतु तीनों संदर्भित पक्षों के मुख्य उत्तरदायित्व निम्नानुसार होंगे

जिला चिकित्सालय-

स्वास्थ्य संस्थान के परिसर में ष्प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र की स्थापना हेतु लगभग 120ै विवज क्षेत्रफल के पूर्व निर्मित स्थानध् कक्ष चिन्हित कर, उक्त का आंवटन स्थानीय रेडक्रॉस सोसाइटी को किया जाना है। संस्था में स्थापित जन आरोग्य केन्द्र के गुणवत्तापूर्ण एवं नियमानुसार संचालन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदायगी एवं केंद्र का नियमित पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण किया जाना है।

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी -

जिला चिकित्सालय द्वारा आवंटित स्थान में आवश्यकतानुसार, अनुशंति, संसाधन एवं योग्य कार्यबल उपलब्ध कर, ष्प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्रष् का गुणवत्तापूर्ण संचालन किया जाना है। प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र के संचालन हेतु पीएमबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर, उक्त द्वारा अधिकृत औषधियों तथा सामग्रियों का ही विक्रय किया जाना है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र का संचालन प्रतिदिन प्रातः नौ बजे से रात्रि नौ बजे तक किया जाना है, एवं बृहद्ध रोगी संख्या वाली स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यकतानुसार 24 घंटे पान आरोग्य केन्द्र का संचालन किया जाना है। अपरान्ह एक से दो बजे तक भोजनावकाश रखा जा सकता है, परंतु उत्कावधि में केंद्रों के संचालन हेतु रोटेशन पर एक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिधित किया जाना है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र के प्रचार प्रसार हेतु आवश्यक गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाना है। भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीओ) प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र के संचालन हेतु आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदायगी एवं नियमानुसार औषधि सामग्री की ससमय उपलब्धता सुनिश्चित की जाना है। प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र के नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु नियमित पर्यवेक्षण एवं निगरानी सुनिशित किया जाना है। अतः उपरोक्त दिशा निर्देशों का पालन करते हुए स्वास्थ्य संस्थाओं में ष्प्रधानमंत्री भारतीय जन आरोग्य केन्द्र की स्थापना, संचालन हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

सिरोंज। कलेक्टर ने जिले के तमाम विभागों के कार्यो की समीक्षा बैठक नियमित आयोजित करने एवं समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहनी शर्मा को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा सितंबर माह की तिथियों में विभागवार समीक्षा बैठकें आयोजित करने का मासिक कैलेंडर जारी किया गया है कि जानकारी देते हुए जिला नोडल अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा न होने से शासकीय योजनाओंध्कार्यों में अपेक्षा अनुरूप प्रगति परिलक्षित नहीं हो रही है। विभागीय कार्योंध्शासन की योजनाओं की गहन समीक्षा किया जाना आवश्यक है। अतः कार्यसुविधा की दृष्टि से बैठकों की नवीन समय-सारिणी अनुसार आयोजित होने वाली बैठकों की आवश्यक तैयारियों को मुर्तरुप दिया जाएगा। नवीन समय सारिणी अनुसार नोडल अधिकारी व संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहनी शर्मा बैठक हेतु संबंधित कार्यालय प्रमुख को पूर्व सूचित करते हुए विभागीय जानकारियों को संकलित कर बैठक से एक दिवस पूर्व कलेक्टर को प्रस्तुत करेगीं एवं बैठक उपरान्त कार्यवाही विवरण प्राप्त कर पालन प्रतिवेदन आगामी बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगी ।

दो प्रकरणों में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा फरार आरोपियों के दो प्रकरणों में सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना नटेरन में दर्ज अपराध क्रमांक 190/2024 का फरार आरोपी प्रतापभानु सिंह उर्फ भानू पुत्र चन्द्रभान सिंह दांगी निवासी ग्राम विशनपुर थाना कुरवाई हाल सिरोंज चौराहा गंजबासौदा तथा थाना थाना सिरोंज में दर्ज अपराध क्रमांक 79/2024 की फरार आरोपी सोनम पत्नि धर्मेन्द्र उर्फ धर्मा नाथ निवासी ग्राम टपरा पठारी जिला रायसेन की सूचना देने वाले को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

प्रेग्नेंसी में कैल्शियम सबसे ज्यादा जरूरी इसके बिना मां व शिशु को हो सकते हैं खतरे

अगर प्रेग्नेंसी में कैल्शियम की कमी हो जाए, तो इससे मां और बच्चे दोनों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है. इसलिए, प्रेग्नेंसी में कैल्शियम सही मात्रा में लेना बहुत जरूरी है. आइए जानते हैं यहां.. प्रेग्नेंसी एक महिला की जिंदगी का खास समय होता है. इस दौरान मां और शिशु दोनों के अच्छे हेल्थ के लिए सही पोषण बेहद जरूरी होता है. इनमें से एक सबसे अहम पोषक तत्व है कैल्शियम. कैल्शियम की सही मात्रा प्रेग्नेंसी में बहुत जरूरी होती है क्योंकि यह मां और शिशु दोनों के हेल्थ पर गहरा असर डालता है.

कैल्शियम क्यों है इतना जरूरी?

कैल्शियम हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है. प्रेग्नेंसी के दौरान शिशु की हड्डियों और दांतों का विकास तेजी से होता है, जिसके लिए कैल्शियम की जरूरत होती है. शिशु के शरीर में यह कैल्शियम मां के शरीर से आता है. अगर मां के शरीर में कैल्शियम की कमी होती है, तो शिशु के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है. इसके अलावा, मां के शरीर में भी कैल्शियम की कमी होने लगती है, जिससे उसकी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं।

शिशु की हड्डियों का नहीं हो पाता विकास

कैल्शियम की कमी शिशु के लिए भी खतरनाक हो सकती है. इससे शिशु की हड्डियों का सही तरीके से विकास नहीं हो पाता, जिससे जन्म के बाद शिशु में कमजोरी आ सकती है. इसके अलावा, शिशु के दिल, मांसपेशियों और नसों के विकास पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है. अगर शिशु को गर्भ में ही पर्याप्त कैल्शियम नहीं मिलता, तो इससे उसकी हेल्थ पर भविष्य में असर पड़ता है. अगर इस समय कैल्शियम की कमी हो जाती है, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं. प्रेग्नेंसी में कैल्शियम जरूरी है और इसकी कमी से खतरे हो सकते हैं.

ध्यान देने वाली बातें: प्रेग्नेंसी के दौरान मां का हेल्दी रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे शिशु की हेल्थ भी जुड़ी होती है. कैल्शियम की सही मात्रा का ध्यान रखना, मां और शिशु दोनों के लिए फायदेमंद है. इसलिए, अपनी डाइट में कैल्शियम से भरपूर चीजों को शामिल करें और डॉक्टर से नियमित चेकअप कराते रहें. इससे प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले कई संभावित खतरों से बचा जा सकता है.

यूनाइटेड डूरंड कप फुटबॉल में पहली बार चैंपियन बना नॉर्थईस्ट

डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान को 4-3 से हराया; गुरमीत ने 2 गोल बचाए

कोलकाता. एजेंसी

गुरमीत सिंह की शानदार गोलकीपिंग के दम पर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने एशिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट डूरंड कप फुटबॉल का खिताब जीत लिया है। टीम ने 133वें सीजन के फाइनल मुकाबले में 2 गोल से पिछड़ने के बावजूद डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान को शूटआउट में 4-3 से हराया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की टीम इस टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, यह भारतीय फुटबॉल में

क्लब की पहली ट्रॉफी भी है। शनिवार रात को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में फाइनल मैच निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी पर रहा। ऐसे में चैंपियन का फैसला शूटआउट से हुआ। 24 वर्षीय गुरमीत सिंह ने तीसरे प्रयास में लिस्टन कोलाको का गोल रोका। फिर 5वें अटैम्प्ट में मोहन बागान के कप्तान सुभाशीष बोस का शॉट रोका और मैच को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। मोहन बागान को उन्हें 13वीं बार दूसरे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा। यह मैच देखने के लिए नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मालिक बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम भी मौजूद थे।

हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त पर था मोहन बागान

फाइनल मुकाबले में मोहन बागान की टीम पहले हाफ तक 2-0 की ब?त पर थी। डिफेंडिंग चैंपियन की ओर से जैसन कमिंस और साहल अब्दुल समद ने गोल दागे। कमिंस ने पेनल्टी पर गोल दागा, जबकि समद ने हाफ टाइम से ठीक पहले फील्ड गोल किया। दूसरे हाफ में अलाएडिन अजारा (55वें मिनट) और गिलर्मो फर्नांडेज (58वें मिनट) गोल करके स्कोर बराबरी पर ले आए। फिर शूटआउट में नॉर्थईस्ट के गोलकीपर गुरमीत सिंह ने दो पेनल्टी बचाकर अपनी टीम की जीत निश्चित कर दी।

पेरिस पैरालिंपिक: रुबीना को 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज

सिनसिनाटी. एजेंसी

पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालिंपिक में शनिवार को ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल के स॥1 कैटेगरी में यह मेडल दिलाया। रुबीना ने फाइनल में 211.1 स्कोर किया। पेरिस पैरालिंपिक में भारत के अब तक 5 मेडल हो गए हैं। वहीं प्रवीण कुमार जेवलिन थ्रो में मेडल से चूक गए। प्रवीण फाइनल में 8वें स्थान पर रहे। बैडमिंटन में सुकांत कदम ने मेंस सिंगल्स के स्स्4 ग्रुप प्ले स्टेज में थाईलैंड के सिरीपोंग टीमारोम को 25 मिनट में 21-12, 21-12 से हराया। ग्रुप में लगातार दूसरी जीत के साथ कदम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इससे पहले भारत ने 4 मेडल जीते थे। विमेंस शूटिंग में अवनी लेखरा ने गोल्ड और मोना अग्रवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

रूट ने टेस्ट करियर की 34वीं सेंचुरी लगाई

गयाना. एजेंसी

इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच लॉर्ड्स के मैदान में चल रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन जो रूट ने अपने टेस्ट करियर की 34वीं टेस्ट सेंचुरी लगाई। रूट ने 121 बॉल पर 103 रन की पारी खेली। उन्होंने इस टेस्ट की पहली पारी में भी 143 रनों की शतकीय पारी खेली थी। इसके साथ ही रूट इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। पिछली पारी में शतक के साथ उन्होंने एलिस्टर कुक के 33 टेस्ट शतकों की बराबरी की थी।

क्लब फुटबॉल : पिछले सीजन की फाइनलिस्ट रियाल मैड्रिड और बोरुसिया डोर्टमंड का सामना लीग दौर में ही होगा

नए फॉर्मेट के साथ 17 सितंबर से शुरू होगी यूएफा चैंपियंस लीग

मोनाको. एजेंसी

नए फॉर्मेट के साथ यूएफा चैंपियंस लीग का आगाज 17 सितंबर से होगा। मोनाको में हाई-टेक अंदाज में लीग दौर के लिए ड्रॉ निकाले गए। चैंपियंस लीग के 2024-25 सीजन में ग्रुप दौर को खत्म कर लीग राउंड शुरू किया गया है, जिसमें 32 के बजाय 36 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम आठ मैच खेलेगी। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बटन दबा कर ड्रॉ निकाले।

ऐसा है फॉर्मेट

36 टीमों को नौ-नौ टीमों के चार पॉट में बांटा गया है। प्रत्येक टीम आठ अलग-अलग टीमों (प्रत्येक पॉट से दो टीम) से मुकाबला करेगी। लीग दौर के अंत में शीर्ष आठ टीमें सीधे राउंड-16 के लिए क्वालीफाई कर लेंगी, जबकि नौवें से 24वें स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेऑफ के जरिए अंतिम-16 में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। नॉकआउट दौर के मुकाबले पारंपरिक फॉर्मेट के अनुसार होंगे। लीग राउंड में 25वें स्थान से नीचे रहने वाली टीमें इस सीजन से एलिमिनेट हो जाएंगी।

रोनाल्डो को यूसीएल लीगेसी अवॉर्ड

इस दौरान फुटबॉल इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले पुर्तगाली स्टार रोनाल्डो को यूसीएल लीगेसी अवॉर्ड से नवाजा गया। चैंपियंस लीग में रोनाल्डो 140 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हैं। दूसरे नंबर पर लियोनल मेसी हैं, जिन्होंने 129 गोल किए हैं। हालांकि रोनाल्डो अब यूरोप छोड़कर सऊदी अरब चले गए हैं, जहां वे अल नासर के लिए खेलते हैं।

लिवरपूल का सामना चैंपियन रियाल मैड्रिड से

नए फॉर्मेट वाले इस सीजन में प्रत्येक टीम चार मैच अपने घर में जबकि चार मुकाबले बाहर खेलेगी। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड की टीम लिवरपूल से भिड़ेगी, जबकि मैनचेस्टर सिटी का सामना लीग दौर में पेरिस सेंट जर्मन से होगा। पिछले सीजन की फाइनलिस्ट रियाल मैड्रिड और बोरुसिया डोर्टमंड की टीमें लीग राउंड में आमने-सामने होंगी।

नया प्रारूप तैयार: यूईएफए के फुटबॉल प्रभाग ने नए प्रारूप को तैयार करने में हजारों घंटे लगाए, तथा इसे विकसित करने और परिष्कृत करने के लिए जटिल गणितीय मॉडलों और एल्गोरिदम का उपयोग किया। चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण को 36 टीमों की एक लीग से बदल दिया गया है - जो वर्तमान 32 से चार अधिक है और प्रत्येक टीम अब आठ अलग-अलग प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आठ मैच (छह की बजाय) खेलेगी, जिससे यह निर्धारित होगा कि नॉकआउट चरण के लिए कौन अर्हता प्राप्त करता है। नया प्रारूप प्रतिस्पर्धा को खोलने और अधिक टीमों को नॉकआउट चरण के लिए अर्हता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए भी तैयार किया गया है। नए प्रारूप को प्रतिस्पर्धा को खोलने और नॉकआउट चरण के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए अधिक टीमों को अवसर प्रदान करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर बोलीं अभिनेत्री कंगना रणौत

'मैंने बहुत पहले उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई थी, अकेले रह गई'

कंगना रणौत अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी का प्रचार कर रही हैं। अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रणौत अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब हाल ही में, कंगना ने कहा कि कुछ साल पहले हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मीटू मूवमेंट के दौरान उन्हें महिलाओं के लिए अकेले ही लड़ना पड़ा था, क्योंकि उनमें से कई ने दबाव के कारण सार्वजनिक रूप से बोलना बंद कर दिया था। कंगना ने एक नए इंटरव्यू में कहा कि इस वजह से इंडस्ट्री ने उन्हें प्रॉब्लम से भरी लड़की का टैग लगा दिया है। कंगना ने कहा कि यह रिपोर्ट उस समय प्रस्तुत की गई थी जब बॉलीवुड मीटू से हिल गया था, जिसके दौरान कई अभिनेताओं, निर्देशकों, निर्माताओं पर यौन शोषण के आरोप लगे थे। कंगना ने लल्लनटॉप के साथ साक्षात्कार में कहा कि वह उन महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती थीं, जिन्होंने उद्योग में शक्तिशाली लोगों के हाथों उत्पीड़न का सामना करने के बारे में बात की थी, लेकिन उनमें से कई महिलाएं बाद में पीछे हट गईं। कंगना ने बताया कि बाद में जब कुछ महिलाओं ने बोलना बंद कर दिया या अपनी शिकायतें वापस ले लीं या फिर अपने अपराधियों के साथ काम करना शुरू कर दिया, तो उन्हें अकेली आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। कंगना ने कहा मैंने महिलाओं के पक्ष में मुखर होकर इस बारे में बात की थी, लेकिन फिर उनकी चुप्पी को पैसे से खरीदा गया। मैं उन्हें खोजती रही, लेकिन वे गायब हो गईं। उनमें से कुछ ने उन्हीं लोगों के साथ कुछ फिल्में साइन कीं और मैं उन्हें खोजती रही। मैं इन महिलाओं से बहुत निराश हूं। मैं अकेली रह गई और समस्या खड़ी करने वाली व्यक्ति बन गई। बता दें कि हेमा कमेटी की रिपोर्ट सबसे पहले 2019 में केरल सरकार को सौंपी गई थी। हालांकि, सरकार ने इसे हाल ही तक छिपाए रखा। कंगना ने कहा कि अगर रिपोर्ट तब सामने आ जाती, तो इससे उन्हें और उन लोगों को समर्थन मिलता, जो अन्य फिल्म उद्योगों में यौन शोषण के खिलाफ बोलने की कोशिश कर रहे हैं।

मुन्ना भाई MBBS के वक्त थिएटर्स खाली थे

400 साल पुराने मंदिर में सिद्धार्थ से शादी करेंगी अदिति, बोलीं- यह है महत्वपूर्ण...

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक है। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इनकी शादी को लेकर फैंस को लग रहा है कि ये किसी बड़े डेस्टिनेशन वेडिंग पर करेंगे, लेकिन ये बड़ी जगह शादी के लिए नहीं जा रहे हैं। अभिनेत्री ने एक बातचीत में खुलासा किया कि शादी की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि, उन्होंने शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी अनोखी शादी की जगह के बारे में कुछ जानकारी दी। अदिति राव हैदरी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा कि उनकी और सिद्धार्थ की शादी 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी। उन्होंने कहा, शादी वानापर्थी में 400 साल पुराने मंदिर के इर्द-गिर्द होगी, जो मेरे परिवार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अदिति और सिद्धार्थ की मुलाकात 2021 में तेलुगु फिल्म महा समुद्रम के सेट पर हुई थी। इसी दौरान अदिति ने सिद्धार्थ के मैरिज प्रपोजल के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा, मैं अपनी नानी के सबसे करीब थी, जिनका कुछ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने हैदराबाद में एक स्कूल शुरू किया था। एक दिन सिद्धार्थ ने मुझसे पूछा कि क्या वह इसे देख सकते हैं। क्योंकि वह अच्छी तरह से जानते थे कि मैं उनसे कितनी करीब थी। वह मार्च में स्कूल देखने के लिए आए। उन्होंने अदिति से उसे अपने दिल के करीब एक खास जगह दिखाने के लिए कहा कि नर्सरी सेक्शन के ऊपर एक मंजिल। उन्होंने याद करते हुए कहा, वह अपने घुटनों पर बैठ गए और मैंने उससे पूछा कि अब तुमने क्या खो दिया है? किसके जूते के फीते खुले हैं? वह कहते रहे कि अद्दू, मेरी बात सुनो। इसके बाद उन्होंने प्रोपोज किया। अदिति ने बताया, उन्होंने कहा कि वह मुझे मेरी पसंदीदा बचपन की जगह पर ले जाना चाहते हैं, जहां पर मेरी नानी का आशीर्वाद हो। उन्होंने इस साल मार्च में अपनी सगाई की घोषणा की थी। दोनों पिछले कुछ सालों से डेट कर रहे हैं।

काफी उतार-चढ़ाव वाले दौर से गुजर रही हैं जैकलीन

बताया कैसे खुद को रखती हैं सकारात्मक

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज का फिल्मी करियर और निजी जीवन काफी उतार-चढ़ाव वाले दौर से गुजर रहा है। अभिनेत्री इन दिनों अपनी फिल्मों की वजह से नहीं, ब्लकि अन्य कारणों से काफी चर्चा में रहती हैं, जो सकारात्मक नहीं है। हाल में ही अभिनेत्री ने इस पर बात की है कि वो कैसे इन चीजों से निपटती हैं। हार्पर्स बाजार के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बॉलीवुड में भाषा की वजह से होने वाली दिक्कतों पर भी बात की है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी इससे जूझ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान कहा, सकारात्मक और नकारात्मक चीजें हमेशा रहेंगी, लेकिन जिस चीज ने मेरी सबसे ज्यादा मदद की है, वह है प्यार पाने की इस निरंतर इच्छा और जरूरत को छोड़ना और यह महसूस करना कि यह वास्तव में आखिरी भ्रम है, जो हम सभी महसूस करते हैं। इस वजह से ही मैं खुद को स्वतंत्र, विनम्र और शांत रख पाती हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें किसी भी चीज से डर नहीं लगता। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से ईश्वर में विश्वास करती रही हूं। यह मेरे जीवन में एक बहुत ही मजबूत शक्ति है और इसी वजह से ही मुझे कभी किसी चीज से डर नहीं लगता। जैकलीन ने आगे कहा कि उन्होंने कई सारे बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि वो अक्सर ध्यान लगाती हैं। इसके अलावा अब वह सही और गलत लोगों के बीच अंतर करने में सक्षम हो गई हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने परिवार और अच्छे लोगों को अपने करीब रखती हैं। उन्होंने कहा, मैं सहानुभूति रखने की क्षमता को अपनी महाशक्ति के रूप में रखती हूं, न कि कमजोरी के रूप में। गौरतलब है कि पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जैकलीन को ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। चंद्रशेखर के साथ उनके संबंधों के लिए ईडी अधिकारियों ने कई बार उनसे पहले भी पूछताछ की है। भाषा की वजह से होती दिक्कतों पर अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं अभी भी भाषा की दिक्कतों से निपट रही हूं। मैं इसका प्रशिक्षण लेती हूं और कड़ी मेहनत करती हूं। एक ऐसी भाषा में बोलना और प्रदर्शन करना, जो मेरी मातृभाषा भी नहीं है। मुझे खुद को उसमें बेहतर होते हुए देखना सकारात्मक और अच्छा लगता है। मुझे अपने शुरुआती वर्ष भी याद हैं, जब मैंने काम करना शुरू किया था।

सलमान को कभी पांच हजार तो कभी पांच लाख में साइन करते थे ये निर्देशक, लेकिन फिल्म कभी नहीं बनाई

सलमान खान आज फिल्मों में काम करने के लिए करोड़ों रुपये की फीस लेते हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब उन्हें पांच हजार रुपये में भी साइन किया गया था। एक निर्देशक उन्हें बार-बार साइन करते थे और फिल्म बन ही नहीं पाती थी। वो सलमान खान को पांच हजार देने से लेकर पांच लाख रुपये देने तक चले गए थे, लेकिन फिल्म नहीं बना पाए। सलमान खान की फिल्म साजन का निर्देशन करने वाले लॉरेंस डिसूजा ने बताया कि एक बार एस रामनाथन ने सलमान को पांच रुपये में साइन कर लिया था। हालांकि, फिल्म नहीं बन पाई। ये उन दिनों की बात है, जब सलमान की फिल्म मैंने प्यार किया आई थी। इसमें सलमान को देखने के बाद ही निर्देशक ने उनके साथ काम करने का फैसला किया था। लॉरेंस डिसूजा ने फ्राइडे टॉकीज से हुई बातचीत में बताया कि जब एस रामनाथन का सलमान खान के साथ काम करने का पहला मौका अंजाम तक नहीं पहुंचा तो एक बार फिर से उन्होंने भाईजान को साइन किया, लेकिन इस बार पांच लाख रुपये दिए गए, लेकिन वो फिल्म भी नहीं बन पाई। बता दें कि एस रामनाथन ने देवता, रंगीला रत्न, महान, फैसला, बॉम्बे टू गोवा, दो फूल, फैसला और कहानी एक चोर की समेत कई फिल्में बनाई थी। अपने साथ बार-बार ऐसा होता देख सलमान खान भी हैरान थे। लॉरेंस के मुताबिक, सलमान ने इस मामले पर कहा था कि रामनाथन कैसे इंसान हैं? वो मुझे रुपये दे देते हैं और फिर कुछ काम ही नहीं करते। लॉरेंस ने साजन फिल्म में कलाकारों की फीस पर भी बात की। उन्होंने बताया कि सलमान खान और माधुरी दोनों को 11-11 लाख रुपए मिले थे। वहीं, संजय दत्त को 12 लाख रुपए की फीस दी गई थी और लॉरेंस को आठ रुपये मिले थे। मैंने प्यार किया की बात करें तो यह एक रोमांटिक फिल्म है, जो दिसंबर 1989 में सिनेमाघरों में आई थी। इसका निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। हाल ही में, इस फिल्म को फिर से रिलीज किया गया है। इस फिल्म में सलमान खान, भाग्यश्री, आलोकनाथ, दिलीप जोशी, हरीश पटेल, मोहनिश बहल और राजीव वर्मा समेत कई कलाकारों ने काम किया है।

तीसरी मंजिल की रेलिंग पर साड़ी का फंदा बनाकर युवती ने लगाई फांसी

नहीं मिला सुसाइड नोट, पास की बिल्डिंग के लोगों ने लटके देख मां को दी थी सूचना

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सलैया में शनिवार सुबह तीसर मंजिल पर बनी रेलिंग पर साड़ी के फंदे पर एक युवती का शव लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। रविवार को शव का पीएम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार कोमल बाथम पिता स्वर्गीय कौशल बाथम (22) बी सेक्टर, बीडीए क्वार्टर सलैया में रहती थी। वह प्राइवेट काम करती थी। परिवार में सौतेली मां और उनके दो बच्चे हैं। कोमल का तीन मंजिला मकान है। दो मंजिल पर किराएदार और मां रहती है, जबकि सबसे ऊपर वाले कमरे में कोमल अकेली रहती थी। कोमल ने तीसरी मंजिल पर लगी रेलिंग पर साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। शनिवार सुबह पास की बिल्डिंग से कुछ लोगों ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख परिजन को बताया। मां उसे देखने ऊपर पहुंची तो वह फांसी के फंदे लटकी नजर आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

डेढ़ साल पहले हुई थी पिता की मौत

डेढ़ साल की उम्र में कोमल की मां पिता को छोड़कर चली गई थीं। पिता ने दूसरी शादी कर ली और दूसरी पत्नी से उनके दो बच्चे हैं। करीब डेढ़ साल पहले कौशल बाथम की कैंसर की बीमारी से निधन हो गया। कोमल और सौतेली मां के बीच बहुत कम बातचीत होती थी। मां ने पुलिस को बताया कि वह कोमल की शादी कराना चाहती थी, लेकिन पता नहीं उसने फांसी क्यों लगा ली। मां ने बताया कि कोमल ने दो बिल्लियां पाल रखी थी। उन्हीं के साथ अपना अधिकतर समय बिताती थी।

मूवी देखकर लौट रही युवती पर ब्लेड से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित मॉल के सामने सड़क पर पार कर रही युवती पर बदमाश ने ब्लैड से हमला कर दिया। घटना के समय वह सहेली के साथ मूवी देखकर घर लौट रही थी। युवती का आरोप है कि युवक उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था और पीछा कर रहा था। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 21 साल की युवती पहले प्रायवेट काम करती है, लेकिन कुछ दिन से उसने काम छोड़ दिया और घर पर ही रहती है। दीपक नामक युवक उसका दूर का रिश्तेदार है और उसका युवती के घर आना-जाना है। लिहाजा दोनों के बीच दोस्ती थी। गुरुवार रात युवती अपनी सहेली के साथ मूवी देखने के लिए माल पहुंची थी। रात करीब साड़े 10 बजे रोड पार कर मैपल मॉल के पास पहुंची, तभी दीपक मिल गया। वह शादी करने के लिए युवती पर दबाव बनाने लगा। युवती ने जब शादी करने से इंकार किया तो दीपक ने उसके साथ मारपीट कर दी। उसके बाद ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे उसके गले और बाएं कान के पास गंभीर चोट आई। सहेली और आसपास के लोगों ने युवती को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। शुक्रवार सुबह पीड़िता ने थाने जाकर आरोपी दीपक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

स्कूटी सवार युवती का पर्स छीनकर भागे बाइक सवार लुटेरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित भदभदा रोड काफी हाउस के पास शनिवार रात बाइक सवार लुटेरे स्कूटी सवार युवती का पर्स छीनकर भाग निकले। स्कूटी सवार युवतियों ने बाइक सवार का पीछा किया, लेकिन वह तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले।

भागते समय युवतियां केवल बाइक का नंबर देख सकी, लेकिन सीरिज उन्हें याद नहीं है। पुलिस ने लूट ने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार दीपा राजपूत पिता मोहन राजपूत (32) जवाहर चौक बारह दफ्तर के पास रहती हैं और गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार रात वह अपनी सहेली के साथ स्कूटी से नीलब गई थी। नीलबड़ से दोनों स्कूटी से लौट रही थी। स्कूटी पर पीछे दीपा राजपूत बैठी थी। उन्होंने साइड पर्स लटका रखा था। भदभदा रोड पर काफी हाउस के पास पहुंचते ही पीछे से आ रही बाइक पर सवार दो लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने पर्स पर झपट्टा मारा और पर्स छीनकर भागने लगा। दीपा और उसकी सहेली ने बाइक सवार लुटेरों का पीछा किया, लेकिन वह तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। पर्स में दस हजार रुपए की नगदी और मोबाइल था। दीपा ने बाइक की नंबर प्लेट पर लिखा चार अंको का नंबर बताया है। वह यह नहीं बता सकी कि नंबर के पहले सीरिज कौनसी थी।

पंचायत भवन से 50 हजार की एलईडी चुराने वाला गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कजलीखेड़ा पुलिया से पकड़ा, एलईडी बेचने की फिराक में घूम रहा था बदमाश

कोलार रोड थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बोरदा के पंचायत भवन का ताला तोड़कर एलईडी चुराने वाले नकबजन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह एलईडी बेचने की फिराक में घूम रहाड़था और ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस आरोपी से एलईडी जब्त कर अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

चोरी गई एलईडी 4 की कीमत 50 हजार रुपए बताई गई। पुलिस ने सरपंच की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार बटनलाल सूर्यवंशी (34) ग्राम बोरदा थाना कोलार रोड पर रहते हैं और ग्राम पंचायत के सरपंच हैं। गुरुवार की शाम करीब पांच बजे वह पंचायत भवन में ताला लगाकर अपने घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे चौकीदार सूरज ने बताया कि पंचायत भवन का ताला टूटा हुआ है। वह पंचायत भवन पहुंचे तो पता चला कि अंदर लगी 50 हजार रुपए कीमत की शासकीय एलईडी चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने बटनलाल की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों पर प्रकरण दर्ज कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कोलार पुलिस ने टीम बनाई और उसकी तलाश की। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र भी सक्रिय कर दिया था। इस बीच शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि कजलीखेडा में पुलिया के पास एक बदमाश एलईडी टीवी लेकर खड़ा है और उसे बेचने की बात कर रहा है। सूचना पर कजलीखेड़ा पहुंची टीम ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद सलमान पिता सलीम (28) निवासी ग्राम बोरदा, कोलार रोड बताया। पुलिस ने उसके पास मौजूद एलईडी के बारे में पूछा तो उसने उक्त एलईडी पंचायत भवन से चोरी करने की बात स्वीकार ली।

घर में घुसकर नाबालिग से छेड़छाड़ पुलिस ने दर्ज किया मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र में नाबालिग से घर में घुसकर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मनचले का विरोध किया तो मनचले ने उससे मारपीट भी की है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मनचले को पकड़कर थाने ले गए और उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 13 साल की किशोरी घरेलू काम करती है। गत 26 अगस्त को अपनी बुआ के घर गई थी। शाम करीब 4 बजे वह वापस लौटी और ताला खोलकर घर के अंदर जाने लगी। इसी बीच संजू नामक युवक पहुंचा और उसने किशोरी को घर के अंदर धक्का देकर भीतर से दरवाजा बंद कर लिया। उसके बाद उसने किशोरी के साथ अश्लील हरकत की और उसका फोटो भी खींच लिया। पीड़िता ने जब विरोध किया तो उसके साथ मारपीट कर दी। वह पहले भी किशोरी के साथ अश्लील हरकत कर चुका था। परिजनों के घर लौटने पर किशोरी ने घटना की जानकारी दी। उसके बाद शुक्रवार को परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

नशे में टावर पर चढ़कर युवक ने की नौटंकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी में शनिवार सुबह एक युवक मोबाइल टावर पर चड़ गया। टावर पर चड़कर वह ऊपर की तरफ बैठ गया और टावर को हिलाने लगा। कुछ लोगों ने उसे टावर चड़ा देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे नीचे उतरने का कहा। कुछ ही देर बाद युवक नीचे उतर गया। उससे पूछताछ करने के बाद परिजन को बुलाया गया। परिजन ने बताया कि वह शराब पीने का आदी है। पुलिस ने युवक के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि कुछ दिन पहले ही वह जेल से छूटकर आया था। शनिवार सुबह ही उसने शराब पी और बिना किसी कारण के नशे में टावर पर चड़ गया। वह करीब 70 फीट की ऊंचाई पर चड़कर टावर को जोर जोर से हिला रहा था। गनीमत रही कि वह टावर से गिरा नहीं।

गुम चेक में 11 लाख भर कैश कराने का प्रयास, पूर्व सरपंच के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ पुलिस ने एक बुजुर्ग किसान की शिकायत पर पूर्व सरपंच के खिलाफ धोखाधड़ी व चेक का दुरुपयोग करने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी का आरोप है कि पूर्व सरपंच ने उनके गुम चेक पर 11 लाख रुपए की रकम रकर कैश कराने का प्रयास किया था। कोर्ट के आदेश के बाद प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम रातीबड़ निवासी रामनारायण शर्मा (65) खेती-किसानी करते हैं। साल 2012 में उनका एक ब्लेंक चेक गुम गया था। वो चेक ग्राम डोबरा के पूर्व सरपंच गुड्डू खान को मिल गया। पूर्व सरपंच ने चेक में 11 लाख रुपए की राशि भरकर भुनाने का प्रयास किया। बैंक से चेक बाउंस हो गया था। तब गुड्डू खान ने कोर्ट में चेक बाउंस का झूठा परिवाद दायर कर दिया। पूर्व सरपंच का दावा था कि उसे रामनारायण से 11 लाख रुपए लेना था। उन्होंने चेक दिया तो बाउंस हो गया। लंबे समय तक परिवाद कोर्ट में चला और इस बीच रामनारायण शर्मा केस जीत गए। केस जीतने के बाद फरियादी ने कोर्ट में परिवाद लगाया था कि पूर्व सरपंच ने उस पर झूठा केस लगाया था जबकि असलियत में उसने उनके गुम चेक में 11 लाख रुपए का अमाउंट भरकर कैश कराने का प्रयास किया था। कोर्ट के आदेश के बाद रातीबड़ पुलिस ने पूर्व सरपंच गुड्डू खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जब्त किया चोरी का माल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार पुलिस ने जिला पंचायत कार्यालय ग्राम बोरदा में हुई चोरी का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। कोलार पुलिस ने बताया कि 30 अगस्त को ग्राम पंचायत बोरदा के सरपंच बटनलाल सूर्यवंशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम पंचायत भवन में 29 अगस्त की शाम 5 बजे ताला लगाकर घर चला गया। दूसरे दिन सुबह 6 बजे चौकीदार सूरज सिंह ने पंचायत का ताला टूटा होने की सूचना दी। पहुंचकर देखा तो चोर एलईडी (टीवी) चुरा ले गए। इसकी कीमत करीब 50 हजार रुपए होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही थी। इस दौरान शनिवार को पता चला कि कजलीखेड़ा में एक व्यक्ति एलईडी टीव्ही लेकर बेचने के लिए खड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा पूछा तो मोहम्मद सलमान 28 साल ग्राम बोरदा बताया। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है।

मेट्रो एंकर मिसरोद स्थित पॉश कालोनी की घटना, आरोपियों की तलाश

सिक्योरिटी गार्ड ने की युवकों से पूछताछ तो चाकू से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद स्थित एक पॉश कालोनी में रहने वाले दो युवकों ने कालोनी के सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना को लेकर स्थानीय रहवासी मिसरोद थाने पहुंच गए थे।

पुलिस के मुताबिक सत्यम कौरव पुत्र वीरेंद्र कौरव (22) मूलत- ग्राम बिलवानी, तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर का रहने वाला है। फिलहाल वह लहारपुर पुलिस चौकी के पास कटारा हिल्स में रहता है और बगली मिसरोद स्थित ईस्टन काउंटी कालोनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। कालोनी की सुरक्षा के लिए वह मेन गेट पर आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ कर रजिस्टर में एंट्री करता है। बीती आठ अगस्त की रात को उसने कालोनी एक फ्लैट में रहने वाले कुछ ल?कों से पूछताछ की तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की थी। इसकी जानकारी उसने कालोनी के लोगों को दी थी, लेकिन रिपोर्ट नहीं कराई थी। रात एक बजे किया चाकू से हमला शुक्रवार-शनिवार की रात सत्यम ड्यूटी पर था। रात करीब एक बजे दो लड़के उसके पास पहुंचे और पूछताछ करने की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे। सत्यम ने जब इसका विरोध किया तो एक लड़के ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जबकि दूसरे ने चाकुओं से कई वार कर दिये। सत्यम के शरीर पर चाकू के आधा दर्जन से ज्यादा वार किये गए। उसकी चीख-पुकार सुनकर पास के रेस्टारंट में काम करने वाला विनय तिवारी बीच-बचाव करने पहुंचा दो उस पर चाकू से हमला कर दिया। विनय को कमर के नीचे पीछे की तरफ चाकू लगा है। कालोनी वालों ने पहुंचाया अस्पताल घायलों के शोर मचाने पर कालोनी के रहवासी पहुंचे तो दोनों युवक वहां से भाग निकले। वह आपस में एक-दूसरे को सुमित और अनिकेत नाम लेकर बातचीत कर रहे थे। रहवासियों ने घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सत्यम की रिपोर्ट पर सुमित और अनिकेत के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022